राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार,05 नवंबर 2022 वर्ष–5,अंक–278 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# कमजोर विपक्ष से बीजेपी की राह हुई आसान? 5 साल में कितना बदला गुजरात का मैदान

**गांधीनगर।** 2017 विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 99 सीटें अपने नाम की थी। जबकि, कांग्रेस के खाते में 77 सीटें आई थीं। आंकड़ों के लिहाज से साल 1995 से लेकर अब तक यह भाजपा का सबसे खराब प्रदर्शन था। जबकि, कांग्रेस ने 32 सालों का सर्वश्रेष्ठ दिया था। राज्य में मुख्य मुकाबला इन दोनों पार्टियों के ही बीच रहा, लेकिन इस बार आम आदमी पार्टी की एंट्री समीकरण बदल सकती है।

**5 सालों में कितना बदला गुजरात का चुनावी मैदान?**

2017 चुनाव के दौरान राज्य में पाटीदार आंदोलन, वस्तु एवं सेवा कर और सत्ता विरोधी लहर चुनौतियां मौजूद थे। हालांकि, जानकारों का मानना है कि 5 सालों में हालात बदल गए हैं। कहा जा रहा है कि पाटीदार आंदोलन ने रफ्तार खो दी है, कारोबारी जीएसटी के आदि हो गए हैं और भाजपा ने 2021 में पूरी कैबिनेट को बदलकर सत्ता विरोधी लहर का जवाब पेश कर दिया है।

**गुजरात चुनाव में और क्या है खास**

इस बार मुकाबला त्रिकोणीय होने के आसार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के गृह राज्य में करीब तीन दशकों से कांग्रेस ही भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंदी बनी हुई है। वहां, अब आप भी दस्तक दे रही है। कई जानकारों का मानना है कि चुनाव में आप का फायदा कांग्रेस का नुकसान साबित हो सकता है।

**दोनों दलों के हाल**

राज्य में कांग्रेस का अभियान कमजोर नजर आ रहा है। बीते पांच सालों में पार्टी 16 विधायकों को गंवा चुकी है। वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आप गुजरात में आक्रामक भूमिका में है। अगस्त से लेकर अब तक हर महीने केजरीवाल दो बार राज्य का दौरा करते रहे हैं। इस दौरान उन्होंने भ्रष्टाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बेरोजगारी को मुद्दा बनाने की कोशिश की। साथ ही मुफ्त बिजली, मुफ्त शिक्षा और बेरोजगार युवाओं को मासिक भत्ता देने का वादा किया। पार्टी 108 सीटों पर उम्मीदवार उतार चुकी है। भाजपा और कांग्रेस के नामों का ऐलान बाकी है।

**भाजपा की तैयारी**

साल 2002 में मोदी की अगुवाई में पार्टी ने 127 सीटों पर जीत हासिल की थी। इस बार दल इससे बेहतर प्रदर्शन की कोशिश में है। पार्टी नेताओं का मानना है कि इसके लिए परिस्थितियां भी हैं, क्योंकि आप अभी उतनी मजबूत नहीं है और कांग्रेस कमजोर हो रही है। साल 2017 में कांग्रेस के पास हार्दिक पटेल, अल्पेश ठाकुर और जिग्नेश मेवाणी का समर्थन था। हालांकि, इनमें से दो भाजपा के साथ हो लिए। कहा जाता है कि मेवाणी का असर दलितों के एक वर्ग तक ही सीमित है, जो गुजरात की आबादी का 6.74 फीसदी है।

**तीन चुनौतियां कैसे हुई पार**

2015 में शुरू हुए पाटीदार आंदोलन ने पटेल को चर्चा में ला दिया था। हालांकि, 2017 चुनाव के बाद आंदोलन धीमा हुआ और कई पटेल नेताओं ने भाजपा का दाम थामा। साल 2020 में हार्दिक को कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया, लेकिन इस साल जून में उन्होंने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया।

बीते चुनाव के दौरान कांग्रेस ने जीएसटी का मुद्दा उठाया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तब इसे 'गब्बर सिंह टैक्स' बताया था। हालांकि, इसके बावजूद भाजपा ने सूरत और वडोदरा जैसे शहरी कारोबारी इलाकों में अच्छा प्रदर्शन किया। जबकि, राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस की स्थिति मजबूत रही।

● 2017 चुनाव के दौरान राज्य में पाटीदार आंदोलन, वस्तु एवं सेवा कर और सत्ता विरोधी लहर चुनौतियां मौजूद थे। हालांकि, जानकारों का मानना है कि 5 सालों में हालात बदल गए हैं। कहा जा रहा है कि पाटीदार आंदोलन ने रफ्तार खो दी है, कारोबारी जीएसटी के आदि हो गए हैं और भाजपा ने 2021 में पूरी कैबिनेट को बदलकर सत्ता विरोधी लहर का जवाब पेश कर दिया है।

## अब 15 नवंबर तक आवेदन करने वालों को भी एक अक्टूबर से मिलेगी बिजली पर सब्सिडी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने बिजली पर सब्सिडी लेने के लिए अभी तक आवेदन करने में असफल रहे उपभोक्ताओं को आज बड़ी राहत दी है। दिल्लीवालों की मांग पर दिल्ली सरकार ने बिजली पर सब्सिडी लेने के लिए आवेदन करने की तिथि 15 नवंबर तक बढ़ा दी है। अब 15 नवंबर तक आवेदन करने वाले उपभोक्ताओं को भी एक अक्टूबर से बिजली पर सब्सिडी मिलेगी। केजरीवाल के निर्देश पर आज उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने 15 नवंबर तक आवेदन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इससे पहले, 31 अक्टूबर को सब्सिडी के लिए आवेदन करने की अवधि समाप्त हो गई थी। आवेदन करने से वंचित लोगों की मांग पर दिल्ली सरकार ने यह मोहलत दी है। वहीं दिल्ली में करीब 58 लाख बिजली उपभोक्ता हैं। इनमें से करीब 47 लाख उपभोक्ताओं को बिजली पर सब्सिडी मिलती है। इसमें से अब तक 34.84 लाख उपभोक्ता सब्सिडी लेने के लिए आवेदन कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार दिल्ली में सभी निवासियों को 200 यूनिट बिजली बिल्कुल फ्री देती है, जबकि 201 से 400 यूनिट तक आधा रेट लिया जाता है। दिल्ली में करीब 58 लाख घरेलु उपभोक्ता हैं। इसमें से 47 लाख बिजली उपभोक्ताओं को सब्सिडी मिलती है। वहीं इन 47 लाख उपभोक्ताओं में से 30 लाख ऐसे उपभोक्ता हैं, जिनके बिजली के बिल जीरो आते हैं, जबकि 16 से 17 लाख उपभोक्ताओं के बिजली के बिल आधे आते हैं। दिल्ली में काफी लोग मांग कर रहे थे कि बिजली पर सब्सिडी उनको ही दी जाए, जो बिल देने में असमर्थ हैं। काफी लोग बिल देने में समर्थ हैं और उनसे बिल लिए जाएं। इसी के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने तय किया कि एक अक्टूबर से उन्हीं उपभोक्ताओं को बिजली पर सब्सिडी मिलेगी।

## देवेंद्र फडणवीस ने की श्री विल-रुक्मिणी की शासकीय महापूजा

**मुंबई।** महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनकी पत्नी अमृता फडणवीस ने शुक्रवार तड़के कार्तिकी एकादशी के अवसर पर श्री विल-रुक्मिणी की शासकीय महापूजा की। इस शासकीय महापूजा में औरंगाबाद जिले के उत्तमराव सालुंखे और उनकी पत्नी कलावती सालुंखे को वारकरी के रूप में सम्मानित किया गया। सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त सालुंखे परिवार पिछले 50 वर्ष से कार्तिकी वारी (तीर्थयात्रा) कर रहे हैं। देवेंद्र फडणवीस ने महापूजा के बाद पत्रकारों से कहा कि पंढरपुर कारीडोर को तीर्थस्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए फंड की कमी नहीं होने दी जाएगी। महापूजा के बाद उप

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल और स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत को मंदिर समिति के अध्यक्ष गहिनीनाथ महाराज औसेकर ने सम्मानित किया । शासकीय महापूजा के बाद भक्तों के लिए भगवान के दर्शन शुरू कर दिए गए । कार्तिकी एकादशी के अवसर पर भगवान विठ्ठल को पीले रंग का पीतांबर वस्त्र पहनाया जाता है। सिर पर सोने का मुकुट भी रखा जाता है।

कार्तिकी एकादशी के अवसर पर पंढरपुर में भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा है। चंद्रभागा स्नान के लिए लोगों की कतार लगी है। पंढरपुर में हरि नाम का जाप हो रहा है। विल मंदिर दीयों से जगमग रहा।

## मल्लिकार्जुन खड़गे ने की 'राजस्थान मॉडल' की तारीफ, अशोक गहलोत को मिली संजीवनी

**जयपुर।** राजस्थान में सियासी खींचतान के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सीएम अशोक गहलोत के विजन की तारीफ की है। खड़गे ने गहलोत सरकार की योजनाओं की सराहना की है। खड़गे ने कहा-राजस्थान देश के माडल स्टेट के रूप में उभकर सामने आया है, एक करोड़ लोगों को विभिन्न सामाजिक पेंशन योजनाओं का लाभ मिल रहा है, अब तक 29, 724 करोड़ की पेंशन जारी हो चुकी है। खड़गे ने कहा का सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अच्छे परिणामों की बदौलत राजस्थान मॉडल राज्य बना है। कांग्रेस सरकार राजस्थान को तरक्की के पथ पर ले जाने ते लिए हरसंभव कदम उठा रही है। मल्लिकार्जुन खड़गे बयान से सीएम अशोक गहलोत को संजीवनी मिली है।

**राहुल गांधी कर चुके ही योजनाओं की तारीफ**-बता दें, मल्लिकार्जुन खड़गे से पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सीएम गहलोत की पीठ थपथपा चुके हैं। राहुल गांधी ने 3 फैसलों का हवाला दें गहलोत सरकार की तारीफ की थी। एक सप्ताह पहले राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा- कांग्रेस का पक्का वादा, संविदा कर्मियों को पक्की नौकरी, पुरानी पेंशन व्यवस्था

बहाल और समय पर प्रमोशन। राजस्थान में लागू किया। अब गुजरात में कांग्रेस की सरकार बनते ही कर्मचारियों को उनका हक मिलेगा। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि राहुल गांधी के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने संकेत दिए है कि विधानसभा चुनाव 2023 सीएम गहलोत की अगुवाई में लड़ा जाएगा। राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर खड़गे ने विराम लगा दिया है। खड़गे के बयान से पायलट कैंप को निराशा हो सकती है।

**अशोक गहलोत को मिल गया अभयदान**

राजनीतिक विश्लेषक सचिन पायलट की बयानबाजी के बाद खड़गे के बयान के अलग-अलग अर्थ निकाल रहे हैं। सीएम गहलोत राजस्थान के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। सचिन पायलट को पार्टी आलाकमान दूसरी बड़ी जिम्मेदारी देगा। हालांकि, सचिन पायलट राजस्थान छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। लेकिन खुद को कांग्रेस का सिपाही बताते हैं तो पार्टी आलाकमान के आदेश मानेंगे होंगे। 25 सितंबर को कांग्रेस विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करने के बाद सचिन पायलट ने जिस तरह से खुलकर गहलोत के खिलाफ मोर्चो खोला है, उससे मल्लिकार्जुन खड़गे नाराज बताए जा रहे हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे बयान से सीएम अशोक गहलोत को संजीवनी मिली है।

## बैतूल में बस-कार की टक्कर, भीषण हादसे में 11 की मौत, एक घायल

**बैतूल।** मध्य प्रदेश के बैतूल में बस और कार की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई है। बैतूल के झल्लर पुलिस स्टेशन के पास बस एक कार से टकरा गई इस भीषण हादसे में 11 लोगों की जान चली गई है। बैतूल के एसपी सिमाला प्रसाद ने बताया कि हादसे में घायल एक व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज चल रहा है।

**मृतकों में 5 साल की एक बच्ची**

बैतूल पुलिस नियंत्रण कक्ष के सहायक उप निरीक्षक शिवराज सिंह ठाकुर ने बताया कि दुर्घटना जिला मुख्यालय से करीब 36 किलोमीटर दूर भैंसदेही रोड पर हुई। उन्होंने कहा, देर रात करीब

दो बजे हुई इस दुर्घटना में छह पुरुषों, तीन महिलाओं, पांच साल की एक लड़की और एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई।

**अमरावती से घर लौट रहे थे मजदूर**

पुलिस के अनुसार, मृतक मजदूर थे, जो पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के अमरावती से यहां अपने घर लौट रहे थे। ठाकुर ने कहा कि दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि कुछ पीड़ितों के शवों को गैस कटर की मदद से क्षतिग्रस्त एसयूवी से निकालना पड़ा। बाद में शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

पुलिस ने कहा कि प्राथमिक जांच से पता चलता है कि चालक को नींद आने के बाद एसयूवी बस में जा टकराई। ठाकुर ने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है।

## कांग्रेस विधायक अनूप सिंह और प्रदीप यादव के यहां आईटी ने मारा छापा

**रांची।** झारखंड में जारी सियासी हलचल के बीच एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। शुक्रवार अहले सुबह झारखंड कांग्रेस के कुछ विधायकों के आवास पर आईटी के छापे की खबर है। मिल रही जानकारी के मुताबिक आईटी ने कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव और अनूप सिंह के आवास पर छापा मारा। बता दें कि प्रदीप यादव पोड़ैयाहाट से विधायक हैं वहीं अनूप सिंह बेरमो से विधायक हैं। प्रदीप यादव के पंचवटी (कांके रोड) स्थित पर छापेमारी हो रही है।

**कैश कांड प्रकरण में चर्चा में रहे थे अनूप सिंह**

बता दें कि बेरमो विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह का नाम कांग्रेस विधायकों के हालिया कैश कांड में सामने आया था। दरअसल, कांग्रेस विधायक डॉ. इरफान अंसारी, राजेश कच्छप और नमन बिक्सल कोंगाड़ी के हावड़ा में 49 लाख रुपये कैश के साथ पकड़े जाने के बाद अनूप सिंह ने रांची के अरगोड़ा थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। अनूप सिंह ने आरोप लगाया था कि डॉ. इरफान अंसारी ने उन्हें बीजेपी के सहयोग से सरकार गिराने में मदद करने के एवज में 10 करोड़ रुपये कैश और मंत्रीपद का ऑफर दिया था। मामले में कोलकाता पुलिस ने अनूप सिंह से भी पूछताछ की थी।

**कुछ बिल्डरों के यहां भी आईटी ने मारा छापा**

खबरें ये भी है कि आईटी ने कुछ बिल्डरों के यहां भी छापा मारा है। हालांकि, अभी इस बारे में विस्तृत जानकारी बाहर नहीं आई है। बता दें कि मंगलवार देर रात ईडी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को समन जारी किया था। सीएम हेमंत को 3 नवंबर को पूछताछ के लिए रांची स्थित ईडी के जोनल ऑफिस में बुलाया गया था लेकिन पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों में व्यस्तता का हवाला देकर सीएम हाजिर नहीं हुए। उन्होंने पत्र लिखकर 3 हफ्ते का वक्त मांगा। ईडी द्वारा सीएम हेमंत सोरेन को समन जारी किए जाने पर झारखंड में सियासी हलचल तेज हो गई है। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच सियासी बयानबाजियां हो रही है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। गुरुवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन भी किया था।

**कांग्रेस विधायकों के घर छापे से गरमाएगी सियासत**-सत्तापक्ष, केंद्रीय एजेंसियों की हालिया कार्रवाई को लेकर लगातार मुख्य विपक्षी पार्टी बीजेपी और केंद्र सरकार पर हमलावर है। महागठबंधन सरकार को अस्थिर करने के लिए संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगा रहा है।

# दमघोंटू हवा की कैद में दिल्ली, सांस फूलने के साथ जोड़ों में बढ़ रहा दर्द

**दिल्ली।** दिल्ली में जहरीली हवा के चलते स्वास्थ्य आपातकाल जैसी हालत बन गई है। शुक्रवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 450 अंक पर पहुंच गया। यह गंभीर (सीवियर प्लस) श्रेणी से सिर्फ एक बिन्दु नीचे है। सफर का अनुमान है कि अगले दो दिनों के बीच भी दिल्ली के लोगों को जहरीली हवा में सांस लेनी पड़ेगी। पिछले एक सप्ताह से लोग भयावह प्रदूषण का सामना कर रहे हैं। आमतौर पर दीपावली के बाद दिल्ली के लोगों को प्रदूषण की परेशानी झेलनी पड़ती है। लेकिन, इस बार अलग-अलग वजहों से दीपावली पर प्रदूषण का स्तर अपेक्षाकृत कम रहा। लेकिन, दीपावली के दो दिन बाद से ही इस स्तर में तेजी से इजाफा हुआ है। एक नवंबर को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 अंक से ऊपर यानी गंभीर श्रेणी में पहुंच गया था। अगले दिन यानी दो नवंबर को हवा की दिशा में बदलाव के चलते इसमें हल्की गिरावट आई थी। लेकिन, गुरुवार को हवा में प्रदूषण और बढ़ गया है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, गुरुवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 450 के अंक पर रहा। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों का सूचकांक 400 से ऊपर है, जबकि कई निगरानी केन्द्र तो ऐसे हैं, जहां 450 से भी ज्यादा है।

**जहांगीरपुरी रहा सबसे प्रदूषित**

जहांगीरपुरी में सबसे खराब स्थिति जहांगीरपुरी इलाका गुरुवार को सबसे ज्यादा प्रदूषित रहा। यहां एक्यूआई 480 के अंक पर रहा, जबकि बवाना, नरेला, आनंद विहार, पटपड़गंज जैसे हिस्सों में भी यह 450 से ऊपर रहा। बतादें कि वायु गुणवत्ता सूचकांक 401 से 450 तक रहने पर उसे गंभीर श्रेणी में रखा जाता है। जबकि, 450 से ऊपर होने पर उसे गंभीर या सीवियर प्लस श्रेणी में रखा जाता है। बतादें कि दिल्ली में इस साल तीन दिन ऐसे रहे जब एक्यूआई 400 से ऊपर रहा। इससे पहले 02 जनवरी को 404 अंक, 01 नवंबर को 424 जबकि गुरुवार को भी यह सूचकांक 450 अंक पर रहा।

**वाहनों के धुएं की थी आधी हिस्सेदारी**

दिल्ली में इस बार दीपावली के दौरान प्रदूषण की मुख्य वजह वाहनों से निकलने वाला धुआं रहा। विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र के हालिया विश्लेषण के मुताबिक, दीपावली सप्ताह के दौरान प्रदूषण में वाहनों के धुएं की हिस्सेदारी 50 फीसदी के आसपास रही। दीपावली के आसपास यानी 21 से 26 अक्तूबर के बीच स्थानीय स्रोतों से पैदा होने वाले पीएम 2.5 प्रदूषकों में वाहनों के धुएं का योगदान लगभग आधा रहा है। यह 49.3 फीसदी से 53 फीसदी के बीच रही।

**एक नवंबर को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 अंक से ऊपर यानी गंभीर श्रेणी में पहुंच गया था। अगले दिन यानी दो नवंबर को हवा की दिशा में बदलाव के चलते इसमें हल्की गिरावट आई थी।**

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

# अब पाकिस्तान में क्या-क्या हो सकता है?

हत्या की इस नाकाम कोशिश का नतीजा यह हुआ है कि पाकिस्तान के शहरों और गांव-गांव में सरकार के विरुद्ध लोग सड़कों पर उतर आए हैं और यह असंभव नहीं कि पाकिस्तान में लगभग गृह युद्ध की स्थिति बन जाए और मौत की कई खबरें और आने लगें।

(लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

पाकिस्तान की राजनीति अब एक तूफानी दौर में प्रवेश कर रही है। इमरान खान पर हुए जानलेवा हमले ने शाहबाज शरीफ की सरकार के खिलाफ उसी तरह का गुस्सा पैदा कर दिया है, जैसा कि 2007 में बेनजीर भुट्टो की हत्या के समय हुआ था। मुझे लगता है कि इस वक़्त का गुस्सा उस गुस्से से भी अधिक भयंकर है, क्योंकि उस समय पाकिस्तान में जनरल मुशर्रफ की फौजी सरकार थी लेकिन इस वक्त सरकार मुस्लिम लीग (नवाज़) के नेता शाहबाज शरीफ की है। इमरान ने शाहबाज शरीफ, उनके गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह और आईएसआई के उच्चाधिकारी फैजल नसीर पर इस षड़यंत्र का इल्जाम लगाया है। शाहबाज के गृहमंत्री और उनके कई पार्टी नेताओं ने इमरान को बलूचिस्तान की मिर्ची जेल में डालने का इरादा जताया था और इमरान तथा उनकी पार्टी के नेताओं ने यह आशंका भी व्यक्त की थी कि इस रैली के दौरान इमरान की हत्या भी हो सकती है। हत्या की इस नाकाम कोशिश का नतीजा यह हुआ है कि पाकिस्तान के शहरों और गांव-गांव में सरकार के विरुद्ध लोग सड़कों पर उतर आए हैं और यह असंभव नहीं कि पाकिस्तान में लगभग गृह युद्ध की स्थिति बन जाए और मौत की कई खबरें और आने लगें। शाहबाज-सरकार की सिर्फ भर्त्सना ही नहीं हो रही है, लोग खुले-आम पाकिस्तान की फौज को भी कोस रहे हैं। यह पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार हो रहा है। यों भी इमरान के सवाल पर पाकिस्तान की फौज भी दो-फाड़ हो गई है। ऊँचे अफसर जनरल कमर बाजवा की हाँ में हाँ मिला रहे हैं और शेष अफसर व जवान इमरान का पक्ष ले रहे हैं। यदि फौज इमरान और शाहबाज के बीच वैसा ही समझौता नहीं करवा सकी, जैसा कि 1993 में राष्ट्रपति गुलाम इशाक खान और तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ के बीच सेनापति जनरल वहीद कक्कड़ ने करवाया था और तुरंत चुनाव नहीं हुए तो हो सकता है कि पाकिस्तान की राजनीति से फौज का वर्चस्व सदा के लिए खत्म हो जाए। यदि ऐसा हो गया तो भारत और पाकिस्तान के संबंधों को मधुर होने में जरा भी देर नहीं लगेगी। मुझे तो आश्चर्य है कि भारत सरकार अब तक गूंगी क्यों बनी हुई है? उसने इमरान पर हुए हमले की तत्काल भर्त्सना क्यों नहीं की? अमेरिका, चीन, तुर्की, सउदी अरब तथा अन्य दर्जनों देशों के शीर्ष नेताओं ने कल शाम को ही बयान जारी कर दिए थे। जाहिर है कि पाकिस्तान की फौज और विरोधी नेता अब इमरान को प्रधानमंत्री बनने से रोक नहीं सकते। अब चुनाव जब भी होंगे, मुझे विश्वास है कि इमरान अपूर्व और प्रचंड बहुमत से जीतेंगे। पाकिस्तान में पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनावों में इमरान और उनकी सहयोगी पार्टियों ने सत्तारुढ़ दलों का लगभग सफाया कर दिया था और खुद इमरान सात सीटों पर लड़े, उनमें से छह सीटों पर जीत गए। इस समय पाकिस्तान के सबसे बड़े प्रांत पंजाब में और पठानों के पख्तूनख्वाह में इमरानभक्तों की सरकारें बनी हुई हैं। सिंध में पीपीपी की भुट्टो-सरकार है लेकिन कुछ पता नहीं कि इस जानलेवा हमले के बाद बेनजीर के बेटे बिलावल भुट्टो और पति आसिफ जरदारी का रवैया शाहबाज शरीफ के साथ टिके रहने का बना रहेगा या बदलेगा? बेनजीर जब दुबई में रहती थीं और नवाज शरीफ सउदी अरब में, तब मैंने शेख नाह्यान मुबारक के महल से फोन पर उनकी आपस में बात करवाई थी और उसके बाद दोनों ने लंदन से एक संयुक्त वक्तव्य भी जारी किया था। फौज ने दोनों को सता रखा था। जब वे दोनों कट्टर विरोधी मिल सकते थे तो बिलावल और इमरान क्यों नहीं मिल सकते? अगर वे मिल जाएँ तो पाकिस्तान में शायद भारत-जैसे लोकतंत्र की शुरुआत हो जाए। फौज पीछे हटे और जन-प्रतिनिधि सच्चे शासक बनें।

## सूक्ति

देश का उद्धार विलासियों द्वारा नहीं हो सकता। उसके लिए सच्चा त्यागी होना आवश्यक है।
- प्रेमचंद

विश्वास वह पक्षी है जो प्रभात के पूर्व अंधकार में ही प्रकाश का अनुभव करता है और गाने लगता है। - रवींद्रनाथ ठाकुर

## लॉफिंग ज़ोन

एक बार कुछ लोगों में बहस चल पड़ी कि किसी के गलती कर देने का क्या असर होता है. एक वकील ने कहा, 'हम अपनी गलतियों को फांसी के फंदे से लटकाकर खत्म कर देते हैं.' डॉक्टर ने कहा, 'हम अपनी गलतियों को चिता में जलाकर राख कर देते है.' इंजीनियर बोला, 'हम अपनी गलतियों को ढहाकर नष्ट कर देते हैं.'

एक शिक्षक बड़ी देर से चुप बैठा था. लोगों ने उससे पूछा कि क्या आपसे कोई गलती नहीं होती? 'हम अपनी गलतियों को राजनीति में भेज देते हैं.' शिक्षक ने जवाब दिया.

☺ ☺ ☺

अंधेरी रात में सुनसान सड़क पर श्याम लाल चला जा रहा था. एकाएक पीछे से एक अजनबी आया और बोला - क्या आप मुझे दस पैसे का एक सिक्का देंगे?

श्याम लाल - जरूर, लेकिन आप उसका करेंगे क्या?

अजनबी - दरअसल मैं और मेरा दोस्त फैसला करेंगे कि आपसे लूटा हुआ माल कौन लेगा.

☺ ☺ ☺

बॉस (चपरासी से) - 'यह नोटिस ऐसी जगह लगा दो, जहां से दफ्तर से बाहर जाने से पहले सभी इसे देख लें.'

चपरासी - फिर तो मै इसे दीवार घड़ी पर लगा देता हूं.

☺ ☺ ☺

# लोकतांत्रिक मूल्यों की नज़ीर बना ब्रिटेन

तीन बार देश के राष्ट्रपति बनने का अवसर मुसलमानों को मिला है। राजस्थान और बिहार समेत कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री मुसलमान बन चुके हैं। जहां तक प्रधानमंत्री का सवाल है, यदि कोई योग्य व्यक्ति निर्वाचित होता है और संसद में उसे बहुमत का समर्थन मिलता है, तो कोई मुसलमान अवश्य इस पद पर पहुंच सकता है। वैसे अल्पसंख्यक सिख प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति दोनों पदों पर पहुंचे हैं।

**विश्वनाथ सचदेव**

ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को लेकर हमारे भारत में बहुत कुछ कहा-सुना जा रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि दूर का सही, भारत से सुनक का रिश्ता तो है। उनके दादा अविभाजित भारत के गुजरांवाला के थे। इस नाते भारत और पाकिस्तान दोनों स्वयं को इसका हकदार मानकर ऋषि सुनक से अपना रिश्ता जोड़ रहे हैं। इस बात पर संतोष व्यक्त किया जा रहा है कि 'एशियाई (पढ़िए भारतीय) मूल' का कोई व्यक्ति ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बना है। ज्ञातव्य है कि ब्रिटेन में कुल आबादी का मात्र 2.3 प्रतिशत ही भारतीय मूल के लोग हैं। यदि एशियाई मूल के लोगों की बात करें तो कुल 6.8 प्रतिशत ब्रितानी नागरिक ही बनते हैं। इस दृष्टि से यह कह कर ब्रिटेन की जनतांत्रिक परंपरा की प्रशंसा हो रही है कि वहां अल्पसंख्यक भी इतने ऊंचे पद पर पहुंच सकता है। इसी बात को कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि हमें ब्रिटेन से सीखना चाहिए। निश्चित रूप से यह सीखने की बात तो है। हमारे भारत में लगभग 20 प्रतिशत नागरिक अल्पसंख्यक की श्रेणी में आते हैं। मुसलमानों के अलावा बौद्ध, सिख और जैन आदि शामिल हैं। इनमें मुसलमानों की संख्या लगभग 15 प्रतिशत है, इसलिए सामान्यतः जब अल्पसंख्यकों की बात होती है तो उसका संदर्भ मुसलमान से ही होता है। ऐसा नहीं है कि भारत में मुसलमानों को ऊंचे पद नहीं मिले हैं। तीन बार देश के राष्ट्रपति बनने का अवसर मुसलमानों को मिला है। राजस्थान और बिहार समेत कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री मुसलमान बन चुके हैं। जहां तक प्रधानमंत्री का सवाल है, यदि कोई योग्य व्यक्ति निर्वाचित होता है और संसद में उसे बहुमत का समर्थन मिलता है, तो कोई मुसलमान अवश्य इस पद पर पहुंच सकता है। वैसे अल्पसंख्यक सिख प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति दोनों पदों पर पहुंचे हैं। यहीं इस बात को भी स्वीकार करना होगा कि यह बात अभी सिद्धांततः ही लागू होती है। हम इस सच्चाई से भी मुंह नहीं चुरा सकते कि हमारी वर्तमान संसद में सत्तारूढ़ दल (भाजपा) का एक भी सांसद मुसलमान नहीं है। भाजपा का कहना है कि वह जीत की संभावनाओं को देखकर किसी को अपना उम्मीदवार बनाती है। पर, सवाल उठता है धर्मनिरपेक्ष देश में किसी राजनीतिक दल को कोई मुसलमान अल्पसंख्यक जीतने लायक क्यों नहीं दिखता? क्या हमारे मतदाता भी धर्म के आधार पर ही वोट देते हैं? यदि ऐसा होता तो विधायकों-सांसदों में कोई अल्पसंख्यक कैसे होता? बहरहाल, ब्रिटेन के ऋषि सुनक का प्रधानमंत्री बनना जनतांत्रिक मूल्यों के प्रति वहां के नागरिकों की निष्ठा को ही दर्शाता है, और यह बात दुनिया को ब्रिटेन से सीखनी चाहिए और हमें भी। पर इससे अधिक न सही, इतनी ही महत्वपूर्ण एक और बात भी है जिसकी ओर ध्यान जाना चाहिए। यह बात 44 दिन में ही सत्ता छोड़ देने वाली लिज़ ट्रस से जुड़ी है। ट्रस ने अपनी ही पार्टी के सदस्यों का विश्वास खो दिया था, इसलिए उन्हें पद तो छोड़ना ही था। पर पद छोड़ते समय जो बात 47 वर्षीय ट्रस ने कही वह गौर करने लायक है। पद से इस्तीफा देने की घोषणा करते हुए अपने छोटे से बयान में उन्होंने कहा, मैं अपने देश की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पायी हूं, जो वादे मैंने किये थे, उन्हें मैं पूरा नहीं कर पायी। इसलिए, मैं अपने पद से इस्तीफा दे रही हूं! वादे पूरे न कर पाने की यह बात जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं के प्रति उनकी निष्ठा को दर्शाती है। अक्सर सत्तारूढ़ पक्ष पर ये आरोप विरोधी पक्ष ही लगाते हैं। मतदाता भी वादाखिलाफी को मतदान का आधार बना सकते हैं। लेकिन, सत्ता छोड़ते समय यदि कोई प्रधानमंत्री ऐसी बात कहता है तो इसके महत्व को समझे जाने की आवश्यकता है। हर राजनीतिक दल, हर राजनेता वादों का सहारा लेता है और दावे भी करता है वादों को पूरा करने के। पर कितने नेता ऐसे होते हैं जो ईमानदारी से अपनी नाकामयाबी को स्वीकार करते हैं? जनतांत्रिक व्यवस्था में यह सवाल हर जागरूक मतदाता को अपने नेताओं से पूछना चाहिए। पूछना तो अपने आप से नेताओं को भी चाहिए कि वोट मांगते समय वे जो वादों की बरसात करते हैं वह किस बंजर जमीन पर पड़ती है कि मतदाता तरसता रह जाता है? 'कसमें, वादे, प्यार, वफ़ा सब बातें हैं, बातों का क्या' वाला चर्चित गीत याद आ रहा है मुझे! चुनावों के समय बड़े-बड़े घोषणापत्र जारी किये जाते हैं। वादे और दावे किए जाते हैं। ऐसे वादों-दावों का क्या हश्र होता है इसका एक उदाहरण हमने हाल ही में तमिलनाडु में देखा था। भाजपा ने वादा किया था वहां 'एम्स' बनाने का। देश के गृहमंत्री ने वहां जाकर घोषणा कर दी कि उस 'एम्स' का नब्बे प्रतिशत काम पूरा हो गया है। दूसरे ही दिन मीडिया वालों ने अपने दर्शकों को वह मैदान दिखा दिया जहां 'एम्स' बनना था। वहां अभी चारदीवारी भी नहीं बनी थी। हो सकता है संबंधित अधिकारियों ने देश के गृहमंत्री को गुमराह किया हो, पर क्या गृह मंत्री का यह नैतिक दायित्व नहीं बनता कि वह इस चूक के लिए जनता से क्षमा मांगते? यह कहते हैं कि उन्हें ग़लत जानकारी दी गयी? ऐसा कुछ नहीं कहा उन्होंने। सच तो यह है कि हमारी राजनीति में इस नैतिकता के लिए कोई स्थान ही नहीं है। होना चाहिए यह स्थान। ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री ने वादे पूरे न कर पाने की बात स्वीकार कर वस्तुतः इसी नैतिकता का एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। हो सकता है उन्होंने ऐसा करके सिर्फ औपचारिकता निभायी हो, उनके भीतर इस बात की कोई ग्लानि न हो, पर उससे इस बात का महत्व कम नहीं हो जाता कि एक राजनेता ने अपने अपराध को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया। हां, यह वादाखिलाफी एक अपराध ही है, पर हमारे राजनेताओं से तो कोई अपराध होता ही नहीं! ब्रिटेन में जो कुछ हुआ, यानी एक अल्पसंख्यक का प्रधानमंत्री बनना और एक प्रधानमंत्री का यह स्वीकार करना कि वह वादे पूरे नहीं कर पायी इसलिए पद त्याग रही हैं, जनतांत्रिक परंपरा की एक अच्छी नज़ीर बन सकता है। ऐसे उदाहरण जनतंत्र की मज़बूती भी दिखाते हैं और जनतंत्र को मज़बूत भी बनाते हैं। वैसे, जनतंत्र की मज़बूती का एक आधार जनता का अपने नेतृत्व में विश्वास ही होता है। ऋषि सुनक को यह प्रमाणित करना है कि उन्हें जनता का विश्वास प्राप्त है, और हमारे नेताओं को यह दिखाना है कि वे जनतंत्र के औचित्य की इस कसौटी को समझते हैं। पर इतनी ही महत्वपूर्ण बात यह भी है कि राजनेता जनता के प्रति अपने कर्तव्य को हमेशा याद रखें। सही नेतृत्व की कसौटी यही है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

# राहुल की यात्रा में पलीते की कोशिश

**(नवीन जैन/स्वतंत्र पत्रकार)**

जब राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा काफी आगे निकलकर स्पष्ट सकारात्मक नतीजे देती दिखाई पड़ रही है, तब राजस्थान के बड़े पार्टी जन उक्त पैदल सफर का बिल्ली बनकर रास्ता काटने का परम, पुण्य और पुनीत कार्य करते दिखाई पड रहे हैं। ऐसे दुखद संदेश फेर आ रहें है कि राहुल से अपना घर, जिसके वे अभी भी अघोषित युवराज हैं, तो सम्हल नहीं रहा, देश में आई दरारें भरने का काम कैसे करेंगे भला? क्या राजस्थान के मुख्यमंत्री तथा पूर्व उप मुख्य मंत्री सचिन पायलट चाहते हैं, जिस पैदल मार्च को मीडिया का एक जिम्मेदार वर्ग सदी का सबसे सफल हो सकने वाला पैदल सफर तक कह रहा है, उसे बीच रास्ते में ही पलीता लगाने के महान कार्य को वे किसी भी कीमत पर अंजाम देकर ही मानेंगे। ठीक है कि राजनीति में कोई भजन कीर्तन करने नहीं आता। जब पार्टी का जहाज़ डूबने लगे, तो उसे डराने, धमकाने और चमकाने वाले को चूहा भी कहा जाता है, क्योंकि जब जहाज़ डूबने लगता है, तो चूहे ही पहली फुर्सत में कूद मंतर हो जाते हैं। अर्थात सियासत में वैचारिक प्रतिबद्धता या वफादारी नाम की कोई चीज सिरे से नहीं होती, लेकिन सचिन पायलट कुछ सालों से मुख्यमंत्री पद के लिए अशोक गेहलोत के खिलाफ जो अथक खेले लड़ा रहे हैं, उस लड़ाई को फिलहाल एक तरफा युद्ध विराम में भी वे बदल सकते थे, क्योंकि पार्टी उन्हें ही अगला मुख्यमंत्री बनाने का इशारा पहले से ही कर चुकी है और राजस्थान में अगले साल ही तो एसेंबली के चुनाव होने हैं। मीडिया में आई खबरों के अनुसार पूरा माजरा यह कि हाल में पीएम नरेंद्र मोदी ने अशोक गहलोत को सार्वजनिक रूप से सबसे सीनियर घोषित कर दिया। लगे हाथ गहलोत ने भी नहले पर देहला मारते हुए कह दिया कि भारत में चूंकि लोकतंत्र की जड़ें काफी मजबूत हैं इसीलिए पूरे विश्व में नरेंद्र मोदी की तारीफे होती है। इन दोनों बयानों ने राहुल के भारत जोड़ो अभियान के लिए नई मुसीबत खड़ी कर दी है। वैसे, मोदी काफी कुछ सही भी हैं, क्योंकि गेहलोत कांग्रेस के फ्रंट लाइन लीडर, तो हैं ही सही। मोदी के इस बयान में सचिन पायलट को गुलाम नबी आज़ाद प्रकरण की खामोश गंध सूंघने को मिल गई। सनद रहे कि जब राज्यसभा से गुलाम नबी आजाद आज़ाद हो रहे थे, तब हाउस में मोदी के साथ आजाद भी बहुत भावुक हो गए थे। फिर क्या था? सो कॉल्ड नेशनल या मेन स्ट्रीम मीडिया ने हाथों हाथ आजाद को भाजपा नामक नए पिंजरे में कैद कर लिए जाने की शर्त ही एक तरह से बदली। कांग्रेस से तो आज़ाद ने मुक्ति की घोषणा कर दी, लेकिन उन्होंने भाजपा के न होकर जम्मू कश्मीर में क्षेत्रीय पार्टी बना ली वहां भी विधानसभा चुनाव होने हैं। राजनीति में चूंकि सब कुछ संभव है, तो आजाद अपने मूल प्रदेश में उक्त विधान सभा चुनावों में भाजपा को हमजोली बना सकते हैं। भाजपा को भी, तो उनकी जरूरत पड सकती है। ऐसा करके दोनों पार्टी कोई पाप, तो करेंगी नहीं। जहां तक अशोक गेहलोत का सवाल है, तो सही है कि पिछले कुछ सालों से वे पार्टी अध्यक्ष का पद पाना चाहते थे। इसीलिए उन्होंने भी पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव लडने की सुरसुरी छोड़ी थी। राजस्थान इकाई में उनके समर्थक विधायको ने बगावत भी करने के बिगुल बजाए, लेकिन गेहलोत ने आला कमान से माफी मांगकर मामले को समाप्त कर दिया। हां, यह जरूर है कि जिन तीन बगावत प्रेमी विधायको को नोटिस थमाया गया था, वो मामला अधर में है। इसका कारण

यह भी है शायद कि आज भी प्रदेश कांग्रेस में गेहलोत का ही बोलबाला हैं। उनके समर्थक उक्त तीनों विधायकों पर कार्यवाही करना फिर बर्रे के छत्ते में हाथ डालने जैसा भी हो सकता है। वैसे भी, गेहलोत के पास न तो कुछ खोने को है, और न ही कुछ नया पाने को। वे केन्द्रीय मंत्री रह लिए। अभी आला कमान चाहकर भी उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने की रिस्क लेने से बचना चाहेगा। फिर चूंकि अब वे थक चुके हैं, तो इस बात की संभावना कम ही है कि कोई नई चुनौती लेना चाहेंगे। उधर, सचिन पायलट खानदानी राजनीति के स्पष्ट प्रतीक हैं। उनके रोड ऐक्सिडेंट में स्वर्गवासी हुए पिताजी राजेश पायलट चूंकि कभी वायुसेना में पायलट हुआ करते थे, इसलिए राजनीति में वे पायलट नाम से जाने गए। वर्ना, तो वे राजस्थान के गुर्जर समाज (दोसा) से आते हैं। सचिन भी एयर फोर्स में ही क्वालीफाई करना चाहते थे, लेकिन कहा जाता रहा की विजन प्रॉब्लम की वजह से वे सिलेक्ट नहीं हो पाए। लेकिन वे विश्व स्तरीय मोटिवेशनल स्पीकर माने जाते हैं। इसीलिए संसद में छा जाते रहे हैं। चूंकि उनके पास पूरा समय है इसलिए वे कांग्रेस के राजनीतिक आसमान में फिलवक्त, तो वे अपनी अति महत्वाकांक्षा की पतंगे उड़ाने से बचें, क्योंकि उनसे बेहतर कौन यह कौन जानता है कि कांग्रेस के फिर से नॉन प्लेइंग महानायक राहुल गांधी और सोनिया गांधी के लिए वे अभी भी असुविधा का सबब हैं।

नवीन जैन, स्वतंत्र पत्रकार,

(चिंतन-मनन)

# जीवन का संघर्ष

एक दिन एक व्यक्ति बहुत परेशान लग रहा था। मित्र ने पूछा- क्या बात है? आज इतने परेशान क्यों हो? उसने कहा- मैं बहुत मुसीबत में फंस गया हूं। मित्र बोला- तुम्हारी क्या मुसीबत हो सकती है? तुम्हारे दोनों लड़के संपन्न हैं। खूब धन कमा रहे हैं। तुम्हें किस बात की कमी है? तुम ठीक कहते हो। लड़के संपन्न हैं, पर मेरी मुसीबत उनके कारण ही है। एसा क्या हुआ, जो मुसीबत आ गई? मुसीबत बहुत बड़ी है। मैंने लड़कों को पढ़ाया। एक डॉक्टर बन गया और एक वकील। उनका यह व्यवसाय ही मुसीबत का कारण है। उनके व्यवसाय से आपकी मुसीबत का लेना-देना क्या है? हुआ यह कि एक एक्सीडेंट में मेरे पैर में चोट लग गई, पैर में घाव हो गया। जो डॉक्टर है, वह कह रहा है, पिताजी! घाव को जल्दी ठीक कर लें अन्यथा इसमें रस्सी पड़ जाएगी। हो सकता है फिर पैर काटने के सिवाय कोई विकल्प न रहे। यह तो अच्छी बात है। इसमें मुसीबत का प्रश्न ही कहां है? लेकिन जो वकील है, वह कह रहा है पिताजी! अभी घाव को ठीक नहीं करना है। इसे बढ़ने दें। जब घाव गहरा हो जाएगा, तब मैं दावा करूंगा और पूरा हर्जाना वसूल करूंगा। यही मेरी मुसीबत है। यह जीवन का संघर्ष है, टकराहट है। व्यक्ति दोनों ओर से खिंचा जा रहा है। एक लड़का कहता ठीक कर लें और एक लड़का कह रहा -घाव को और गहरा होने दें। यह जीवन का विचित्र संघर्ष है। इसमें प्रत्येक व्यक्ति जी रहा है और संघर्षो को झेल रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## अडाणी समूह का चेन्नई में पहला डेटा सेंटर शुरू

**चेन्नई ।** अडाणी समूह ने चेन्नई स्थित अपने विशाल डेटा सेंटर को खोलने की शुक्रवार को घोषणा की। अडाणी एंटरप्राइजेज और एजकॉनेक्स के संयुक्त उद्यम अडाणीकॉनेक्स की ओर से चेन्नई में स्थापित डेटा सेंटर 'चेन्नई-1 की औपचारिक रूप से शुरुआत हो गई है। कंपनी ने इसकी जानकारी दी। कंपनी ने कहा, पहले चरण में यह परिसर 17 मेगावॉट (आईटी क्षमता) की पेशकश करेगा, इस पूरी क्षमता का इस्तेमाल कर 33 मेगावॉट तक बढ़ाया जाएगा।''नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित डेटा सेंटर के द्वारा अडाणी समूह ने तेजी से बढ़ते डेटा सेंटर बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की दिशा में कदम रखा है। अडाणी समूह ने बंदरगाह, हवाई अड्डा, सीमेंट, पेट्रोरसायन और तांबा कारोबार के बाद डेटा सेंटर के क्षेत्र में विस्तार की योजना बनाई है। 'चेन्नई 1 परिसर में तमिलनाडु का पहला पूर्व-प्रमाणित आईजीबीसी प्लैटिनम रेटिंग वाला डेटा सेंटर स्थित है। यह 100 प्रतिशत तक नवीकरणीय ऊर्जा से लैस होगा।कंपनी के बयान के मुताबिक, इस क्षेत्र के सर्वाधिक उन्नत सह-स्थल वाले परिसरों में से एक के तौर पर चेन्नई 1 परिसर सात चरणों वाली सुरक्षा प्रणाली के साथ सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना को भौतिक सुरक्षा मुहैया कराएगा। अडाणीकॉनेक्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जयकुमार जनकराज ने कहा कि भारत में डेटा सृजन एवं उपभोग में जबर्दस्त वृद्धि की संभावना दिख रही है। इससे एक विश्वसनीय एवं टिकाऊ डिजिटल ढांचे की जरूरत बढ़ी है।

## सिप्ला का दूसरी तिमाही में मुनाफा 12 प्रतिशत बढ़ा

**मुंबई ।** दवा विनिर्माता कंपनी सिप्ला ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 12 प्रतिशत बढ़कर 797 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वर्ष जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी को 709 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। सिप्ला ने बताया कि सितंबर तिमाही में उसका परिचालन से प्राप्त कुल राजस्व बढ़कर 5,829 करोड़ रुपये हो गया है जो एक साल पहले समान अवधि में 5,520 करोड़ रुपये था।

## ओला इलेक्ट्रिक अपनी स्थापित उत्पादन क्षमता से चूकेगी, सीईओ ने ट्वीट कर बताया

**बेंगलुरु।** बिजली चालित वाहन बनाने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक अपनी स्थापित उत्पादन क्षमता का अगले छह से आठ महीनों में पूरा इस्तेमाल करने के लक्ष्य से चूक जाएगी। बल्कि नवंबर 2023 तक वह केवल 50 प्रतिशत क्षमता ही हासिल कर सकेगी। कंपनी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) भाविश अग्रवाल ने शुक्रवार को यह बात कही। दीपावली से पहले नए एस1 एयर इलेक्ट्रिक स्कूटर को पेश करते हुए अग्रवाल ने कहा था कि अगले छह से आठ महीनों में हम मौजूदा स्थापित क्षमता का पूरा दोहन कर सकते हैं, बल्कि भावी कारखानों में क्षमता और बढ़ा रहे हैं। कंपनी के अधिकारियों ने बताया अभी उसकी मौजूदा क्षमता 20 लाख इकाई सालाना है और छह से आठ महीनों में इसका पूरा दोहन हो जाएगा। हालांकि शुक्रवार को ट्विटर पर कंपनी के उत्पादन लक्ष्यों को साझा करते हुए अग्रवाल ने लिखा, दिसंबर 2021 0, नवंबर 2022: 1,00,000; नवंबर2023:10,00,000;नवंबर 2024: 1,00,00,000 यह यात्रा 2025 तक खत्म होगी। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा था कि तमिलनाडु के कृष्णगिरि में उसके कारखाने की क्षमता सालाना एक करोड़ दोपहिया वाहनों के उत्पादन की होगी।

# शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

**मुम्बई ।(एजेंसी)**

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ है। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार दिन भर उतार-चढ़ाव के बाद अंत में उछाल के साथ ही हरे निशान पर बंद हुआ। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी लिवाली से बाजार में यह उछाल आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 113.95 अंकों 0.19 फीसदी की तेजी के साथ 60,950.36 पर बंद हुआ है। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी में 64.50 अंकों 0.36 फीसदी की तेजी आई है और यह 18,117.20 पर बंद हुआ है। इसके विपरीत बैंक निफ्टी 39.90 अंक 0.10 फीसदी गिरकर 41258.40 पर बंद हुआ। बाजार में बदलाव के संकेत देने वाला इंडिया विक्स करीब 2 फीसदी नीचे आया। यह गत दिवस भी नीचे आया था। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में से बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस और विप्रो के शेयर लाभ के साथ ही उछले हैं। वहीं डॉ रेड्डीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक और एनटीपीसी के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। वहीं अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं जापान के निक्की में गिरावट आई।

दूसरी ओर यूरोपीय बाजार दोपहर के सत्र में बढ़त पर रहे। वहीं अमेरिका के वॉल स्ट्रीट में गिरावट आई। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.34 फीसद की बढ़त के साथ 96.89 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

## रुपया 82.41 प्रति डॉलर पर बंद

**मुंबई ।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 47 पैसे बढ़कर 82.41 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 82.85 पर खुला। इसके बाद यह 47 पैसे की तेजी के साथ 82.41 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र में रुपया 82.88 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.34 फीसदी नीचे आकर 112.54 पर बंद हुआ। वहीं ब्रेंट क्रूड वायदा 2.05 प्रतिशत बढ़कर 96.61 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

## हीरो मोटोकॉर्प के लाभ में 9 प्रतिशत की गिरावट, निवेशकों में हताशा

**मुंबई ।** 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही में कंपनी के औसत कमाई में 9 प्रतिशत की गिरावट के बाद हीरो मोटोकॉर्प के शेयर शुक्रवार को 2.5 प्रतिशत लुढ़क गए। बीएसई पर हीरो मोटोकॉर्प के शेयर 2.47 फीसद की गिरावट के साथ 2,580.55 रुपये पर आ गए थे। एनएसई में ये 2.54 फीसदी की गिरावट के साथ 2,579.05 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। हीरो मोटोकॉर्प ने 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। इसके बाद से निवेशकों में हताशा का माहौल बना हुआ है। ताजा गिरावट से निवेशकों को भारी नुकसान होने की आंशका है। हीरो मोटर्स के नेट ग्रॉस प्रॉफिट में 9 प्रतिशत की गिरावट आई है। कंपनी को दूसरी तिमाही में नेट प्रॉफिट में 682 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। यह मुख्य रूप से बढ़े हुए खर्च और बिक्री में गिरावट के कारण हुआ। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर की अवधि में 748 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। हीरो मोटोकॉर्प ने कहा कि परिचालन से राजस्व सितंबर तिमाही में बढ़कर 9,158 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले की अवधि में 8,539 करोड़ रुपये था। सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च एक साल पहले के 7,641 करोड़ रुपये से 9 फीसद बढ़कर 8,292 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने सितंबर तिमाही में 14.28 लाख यूनिट मोटरसाइकिल और स्कूटर बिके हैं, जबकि पिछले साल 14.38 लाख यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

# गूगल, अमेजन और फेसबुक की कुल संपत्ति से ज्यादा है Apple का मार्केट कैप

**(एजेंसी):**

आईफोन बनाने वाली टेक्वे नोलॉजी कंपनी ऐपल अपने प्रतिद्वंदियों से इतना आगे निकल गई है कि बाकी बड़ी कंपनियां उससे मीलों पीछे दिखाई देती हैं। याहू की ओर से जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि इस समय ऐपल का मार्केट कैप गूगल, अमेजन और फेसबुक के कुल नेटवर्थ से भी ज्यादा है यानी ये तीनों दिग्गज कंपनियां मिलकर भी ऐपल जितना कारोबार नहीं कर पा रही हैं। सर्च इंजन याहू की ओर से जारी फाइनेंशियल डाटा में बताया गया है कि ऐपल ने बुधवार को शेयर बाजार बंद होने तक 2.31 लाख करोड़ डॉलर (23.1 खरब डॉलर) का मार्केट कैपिटल बताया। इस समय गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट, फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा जिसमें इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप भी शामिल हैं और ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन का कुल मार्केट कैपिटल 23 खरब डॉलर के आसपास था। मेटा की कमाई में इस साल बड़ी गिरावट आई है और जुकरबर्ग की संपत्ति भी कम हुई है।

**किस कंपनी की कितनी पूंजी**

अगर बुधवार के कारोबार को देखें तो बाजार बंद होने के समय अमेजन का कुल मार्केट कैप 939 अरब डॉलर और फेसबुक (मेटा) का 240 अरब डॉलर था। गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट का मार्केट कैप बुधवार को 11.26 खरब डॉलर था। इस दौरान ऐपल के शेयर अंत के कुल लम्हों में ही 0.16 फीसदी चढ़े और उसके मार्केट कैप में बड़ा उछाल आया। वहीं, अमेजन और मेटा के शेयरों को बड़ी गिरावट झेलनी पड़ी। अल्फाबेट ने तो 5.7 फीसदी का नुकसान झेला। ऐपल के शेयरों का भाव बुधवार को 138.88 डॉलर प्रति शेयर रहा जो एक समय 142.80 डॉलर तक पहुंच गया था।

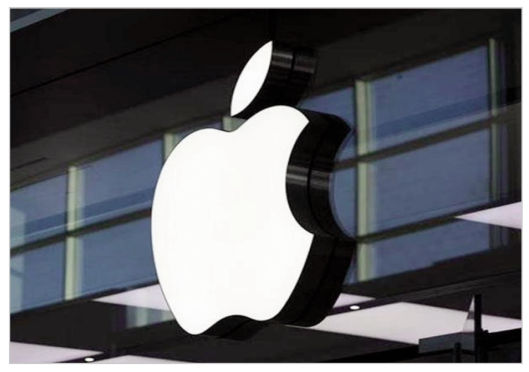

**तिमाही नतीजों ने लगाया पलीता**

आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल के तिमाही नतीजों से बाजार काफी खुश नजर आया था और उसके शेयरों में 8 फीसदी का उछाल दिखने लगा। वहीं, प्रतिद्वंदी कंपनियों के तिमाही रिजल्ट देखकर निवेशक काफी निराश हुए। मेटा का रिजल्ट आने के बाद उसके शेयरों में 20 फीसदी गिरावट दिखी थी, जबकि अमेजन के शेयर 10 फीसदी नीचे आ गए थे। इतना ही नहीं अल्फाबेट के शेयरों में भी बड़ी गिरावट रही थी। इस गिरावट से तीनों कंपनियों के मार्केट कैप को बड़ा नुकसान हुआ और अमेजन ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप वाले क्लब से बाहर हो गई थी। ऐपल को भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने की खबरों से भी बड़ा फायदा मिला। उसके बिजनेस और विस्तार योजना को निवेशकों ने पसंद किया, जिससे शेयरों की मांग बढ़ी और उसके भाव ऊपर चढ़ गए।

# मारुति सुजुकी इंडिया ने 7,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत निवेश की योजना बनाई

**मुंबई ।(एजेंसी)**

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने साल 2022 7,000 करोड़ रुपये से अधिक के पूंजीगत निवेश की योजना बनाई है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी अजय सेठ के अनुसार इसमें हरियाणा में नए संयंत्र का निर्माण कार्य और नए मॉडलों की पेशकश शामिल है। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी ने सोनीपत जिले में नए संयंत्र पर काम शुरू कर दिया है। खरखोदा स्थित संयंत्र के 2025 तक चालू होने की उम्मीद है। इसकी उत्पादन क्षमता पहले चरण में 2.5 लाख इकाई होगी।

इनदिनों मारुति सुजुकी के हरियाणा में दो विनिर्माण संयंत्र हैं। इसके अलावा गुजरात में सुजुकी मोटर के संयंत्र में भी कंपनी उत्पादन करती है। उसकी कुल उत्पादन क्षमता 22 लाख इकाई प्रतिवर्ष है। सेठ ने कहा, हम इस साल 7,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने वाले हैं। निवेश योजनाओं के बारे में उन्होंने कहा कि निर्धारित राशि में विभिन्न गतिविधियां शामिल होंगी। उन्होंने कहा, हमें (सोनीपत संयंत्र के लिए) विभिन्न विक्रेताओं को ठेका देना होगा। यह पूंजीगत व्यय का

एक बड़ा हिस्सा होगा। इसके अलावा नए मॉडलों की पेशकश पर निवेश करना है। मुझे लगता है कि पूंजीगत व्यय का एक बड़ा हिस्सा यहां लगाया जाएगा। ये दो क्षेत्र हैं, जहां अधिकतम पूंजीगत निवेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा शोध एवं विकास, नियमित रखरखाव जैसे क्षेत्रों में भी निवेश किया जाएगा।

## सोने, चांदी की कीमतों में बढ़त

**नई दिल्ली ।** घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतें ऊपर आयी हैं। दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने-चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। दस ग्राम सोना बढ़कर 50,869 रुपये का हो गया है जबकि एक किलो चांदी की कीमतें भी बढ़ी हैं। यह 59,477 रुपये पर पहुंच गयी हैं। सोना 604 रुपये की तेजी के साथ 50,869 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया जबकि पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,265 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत भी 2,061 रुपये के उछाल के साथ 59,477 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई। वहीं गत कारोबारी सत्र में यह 57,416 रुपये प्रति किग्रा पर रही थी। 21 अक्टूबर को खत्म हुए सप्ताह में सोने का भंडार 24.7 करोड़ डॉलर घटकर 37,206 अरब डॉलर रह गया।

# सरकारी निकायों के पेटेंट आवेदनों की मंजूरी में तेजी लाने की जरूरत: गोयल

**नयी दिल्ली, (एजेंसी)**

केंद्रीय कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकारी निकायों द्वारा दायर पेटेंट आवेदनों की मंजूरी में तेजी लाने की जरूरत है। उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से इन आवेदनों के निपटान का निर्देश भी दिया। गोयल ने अधिकारियों से कपड़ा शोध संघों (टीआरए) के विलय की संभावनाओं का पता लगाने या इन निकायों के बीच तालमेल बढ़ाने के लिए भी कहा। कपड़ा मंत्री ने निर्देश दिया कि मंत्रालय के साथ टीआरए की तीन महीने में होने वाली भागीदारी को संस्थागत बनाया जाए। गोयल ने बृहस्पतिवार को टीआरए की समीक्षा बैठक के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि हमें तकनीकी वस्त्र जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में स्टार्टअप और युवा वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने कपड़ा शोध संघों से कहा कि वे अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और मशीनरी के संबंध में किसी भी सहायता के लिए मंत्रालय को प्रस्ताव दें।

## इंडिगो का दूसरी तिमाही में घाटा बढ़कर 1,583.34 करोड़ रुपए हुआ

**नई दिल्ली: (एजेंसी)**

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोबल एविएशन का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में घाटा बढ़कर 1,583.34 करोड़ रुपये हो गया है। खर्च बढ़ने की वजह से घाटा भी बढ़ा है। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि पिछले वर्ष सितंबर तिमाही में उसे 1,435.66 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का राजस्व बढ़कर 12,852.29 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष समान तिमाही में 5,798.73 करोड़ रुपए रहा था। वहीं सितंबर तिमाही में कंपनी का खर्च बढ़कर 14,435.57 करोड़ रुपए हो गया है। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने कहा कि सितंबर तिमाही लगातार ऐसी दूसरी तिमाही है जब कोविड से पहले की क्षमता से अधिक का परिचालन उसने किया है। उन्होंने कहा, ''हम पुनरुद्धार के रास्ते पर लगातार बढ़ रहे हैं और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कई अवसरों के लाभ हमें मिल रहा है।%%

## विदेशी मुद्रा भंडार 6.56 अरब डॉलर बढ़कर 531.08 अरब डॉलर पर

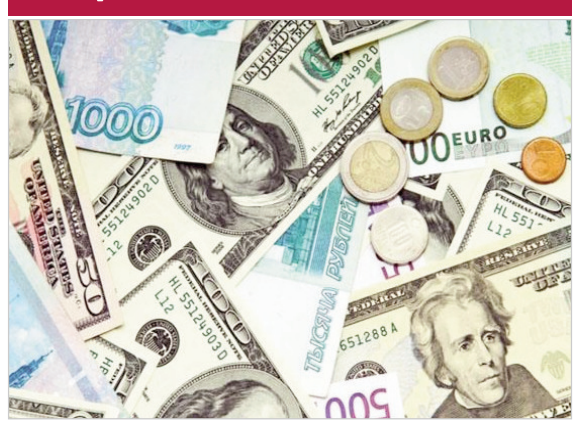

**मुंबई: (एजेंसी)**

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 6.56 अरब डॉलर बढ़कर 561.08 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पिछले दिनों देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट का रुख देखा गया। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 3.84 अरब डॉलर घटकर 524.52 अरब डॉलर रह गया था।

एक साल पहले अक्टूबर, 2021 में देश का विदेश मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था। देश के मुद्रा भंडार में गिरावट आने का मुख्य कारण यह है कि रुपए की गिरावट को थामने के लिए केन्द्रीय बैंक मुद्रा भंडार से मदद ले रहा है।

रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 28 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का महत्वपूर्ण घटक मानी जाने वाली, विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 5.77 अरब डॉलर बढ़कर 470.84 अरब डॉलर हो गई। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और जापानी येन जैसे गैर डॉलर मुद्रा के मूल्य में आई कमी या बढ़त के प्रभावों को दर्शाया जाता है। आंकड़ों के अनुसार, मूल्य के संदर्भ में देश का स्वर्ण भंडार 55.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 37.76 अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 18.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 17.62 अरब डॉलर हो गया है।

## ट्विटर डाउन होने से दुनियाभर में यूजर्स परेशान हुए

**नई दिल्ली । (एजेंसी)**

दुनिया के कुछ हिस्सों में एलन मस्क की कंपनी का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म प्रभावित हुआ है। भारत में भी कई लोगों ने ट्विटर के काम न करने की बात कही है। हालांकि सबके साथ ऐसा नहीं है। नोएडा के एक ऑफिस में काम करने वाले यूजर ने कहा कि जैसे ही ट्विटर पर क्लिक कर रहे हैं, %ट्राइ अगेन% का मैसेज आ जा रहा है। कुछ लोगों ने साइट न खुलने की शिकायत की है। एक अे धिकारी का कहना है कि एप की बजाय समस्या ट्विटर के डेस्कटॉप वर्जन में ज्यादा दिख रही है।

यह समस्या शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे से शुरू हुई और 7 बजते-बजते काफी बढ़ गई। भारत में कुछ हिस्सों में लोग ट्विटर डाउन की समस्या का सामना कर रहे हैं। भारत और नेपाल के कई यूजर्स ने ट्वीट भी किए हैं। ट्विटर के मालिक एलन मस्क पिछले एक हफ्ते से लगातार चर्चा में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अपने कब्जे में ले लिया है। एक हफ्ते के भीतर अब ट्विटर में छंटनी के आसार जताए जा रहे हैं। अरबपति उद्यमी एलन मस्क के ट्विटर का अधिग्रहण करने के एक हफ्ते बाद सोशल मीडिया कंपनी में कर्मचारियों की छंटनी शुक्रवार से शुरू होने की आशंका है। एक खबर ने कंपनी में जारी किए गए एक ईमेल का हवाला देते हुए बताया कि मस्क शुक्रवार को ट्विटर कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर देंगे। ट्विटर कर्मचारियों को ईमेल में सूचित किया गया है कि छंटनी शुरू होने वाली है और कर्मचारियों को निर्देश दिया गया था कि वे घर जाएं और शुक्रवार को कार्यालय न लौटें क्योंकि छंटनी शुरू हो रही है।

# सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी न्यूजीलैंड, भारत-पाक को लेकर इस दिन होगा फैसला

**दुबई (एजेंसी)।**

टी20 विश्वकप को लेकर कई रोमांचक मैच लगातार जारी है। इन सब के बीच टी20 विश्व कप 2022 की पहली सेमीफाइनलिस्ट टीम मिल गई है। न्यूजीलैंड की टीम सबसे पहले सेमीफाइनल में पहुंची है। न्यूजीलैंड की टीम ने आयरलैंड को दिलचस्प मुकाबले में 35 रनों से हराकर अपना रन रेट तगड़ा कर लिया। इसी के आधार पर न्यूजीलैंड की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है। न्यूजीलैंड फिलहाल विश्व कप के ग्रुप एक की टीम है। ग्रुप एक में दूसरी कौन सी टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी, इसका फैसला 5 नवंबर को होगा। पॉइंट टेबल को देखें तो इंग्लैंड या ऑस्ट्रेलिया ग्रुप एक से सेमीफाइनल में बहुत सकते हैं। अगर ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में पहुंचना है तो उसे अफगानिस्तान को हराना होगा। अगर ऑस्ट्रेलिया हार जाती है तो श्रीलंका तथा इंग्लैंड के बीच होने वाले मैच में जीत दर्ज करने वाली टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। वही, ग्रुप 2 की बात करें तो यहां भारत दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल की रेस में बरकरार है। तीनों ही टीमों को 6 नवंबर को अपना मुकाबला खेलना है। ग्रुप 2 में जो 2 टीम टॉप पर रहेगी, वही सेमीफाइनल में पहुंचेगी। भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए जिंबाब्वे को हराना होगा। अगर यह मैच बारिश की वजह से धूल भी जाता है तो भी भारत को सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। अगर दक्षिण अफ्रीका अपना अगला मुकाबला जीतती है तो भी वह सेमीफाइनल में पहुंच सकती है। पाकिस्तान को अपना मुकाबला बांग्लादेश से खेलना है। अगर भारत और अफ्रीका में से कोई भी टीम हार जाता है और पाकिस्तान बांग्लादेश के खिलाफ अपना मैच जीत जाता है तो वह सेमीफाइनल में पहुंच सकता है। पाकिस्तान के सेमीफाइनल में पहुंचने की स्थिति में अगर भारत और पाकिस्तान दोनों ही सेमीफाइनल मुकाबले जीत लेते हैं तो फाइनल में दोनों टीमों के बीच मुकाबला हो सकता है।

## भारतीय पुरूष स्कवाश टीम ने एशियाई चैम्पियनशिप में जीता पहला स्वर्ण

**चियोंगजू (दक्षिण कोरिया) (एजेंसी)।**

अनुभवी सौरव घोषाल की अगुवाई में भारतीय पुरूष टीम ने एशियाई स्क्वाश टीम चैम्पियनशिप के फाइनल में कुवैत को 2-0 से हराकर पहली बार स्वर्ण पदक जीत लिया। स्टार खिलाड़ी घोषाल ने भारत की जीत तय की।

इससे पहले रमित टंडन ने अली अरामजी को 11.5, 11.7, 11.4 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई थी। घोषाल ने अम्मार अल्तामिमि को 11.9, 11.2, 11.3 से हराया। अभय सिंह और फालाह मोहम्मद के बीच तीसरा मैच खेलने की जरूरत ही नहीं पड़ी। भारतीय टीम ने पिछले दो सत्रों में रजत पदक जीता था। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने पूल ए में कतर, पाकिस्तान, कुवैत, दक्षिण कोरिया और चीनी ताइपे को हराने के बाद सेमीफाइनल में मलेशिया को 2-1 से मात दी थी।

महिला टीम सेमीफाइनल में मलेशिया से 1-2 से हार गई और उसे कांस्य से संतोष करना पड़ा। महिला टीम पूल बी में दो जीत और एक हार के साथ दूसरे स्थान पर रही थी। उसने ईरान और सिंगापुर को हराया लेकिन हांगकांग से हार गई।

## श्रीलंका के खिलाफ नेट रन रेट को बेहतर करने उतरेगा इंग्लैंड?

**सिडनी (एजेंसी)।**

इंग्लैंड शनिवार को आईसीसी टी20 विश्व कप के अपने आखिरी सुपर 12 मैच में श्रीलंका के खिलाफ अपने नेट रन रेट (एनआरआर) में सुधार के बारे में अत्यधिक परेशान होने के बजाय अपने मैच पर ध्यान केंद्रित करेगा। ऐसा ही सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स भी सोचते हैं। न्यूजीलैंड के शुक्रवार को एडिलेड ओवल में आयरलैंड पर 35 रन की जीत के बाद सेमीफाइनल में जगह हासिल करने वाली किसी भी ग्रुप की पहली टीम बनने के बाद इंग्लैंड बनाम श्रीलंका मैच शनिवार को जोस बटलर टीम के लिए अहम होगा।

यह पूछने पर कि क्या उनकी टीम श्रीलंका के खिलाफ मैच में एनआरआर रेट पर नजर रखेगी, हेल्स ने कहा, 'हमारे लिए एनआरआर रेट एक बड़ी बात है, लेकिन मुझे लगता है कि हमारी टीम काफी अच्छी दिख रही है। मुझे यकीन नहीं है। यह क्या है, मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया को 60 रनों से जीतना है और हमें काफी अच्छा करना होगा। हेल्स ने कहा, मुझे लगता है कि हम सिर्फ मैच पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं। हम अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तब परिणाम भी अच्छे मिलने वाले हैं। इंग्लैंड के गुट में मूड काफी सकारात्मक है, हेल्स ने अपने पिछले मैच में कीवी टीम के खिलाफ 20 रन की जीत के बाद अपने गुट में माहौल सकारात्मक होने का संकेत दिया था।

## टी20 विश्वकप: ऑस्ट्रेलिया ने कड़े मुकाबले में अफगानिस्तान को चार रनों से हराया

**एडीलेड (एजेंसी)।**

ग्लैन मैक्सवेल की शानदार बल्लेबाजी से गत विजेता ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप के सुपर-12 के मुकाबल में अफगानिस्तान को चार रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट नुकसान पर 168 रन बनाए। इस प्रकार अफगानिस्तान को जीत के लिए 169 रनों का लक्ष्य मिला जिसका पीछा करते हुए अफगानिस्तान टीम 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 164 रन ही बना सकी। राशिद खान ने नाबाद 48 रन बनाये। राशिद ने अपनी 23 गेंदों की पारी में तीन चौके और चार छक्के लगाये।

इस प्रकार मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को केवल 4 रनों से जीत मिली जबकि सेमीफाइनल के लिए उसे बड़े अंतर से जीत की जरुरत थी। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने आतिशी अर्धशतकीय पारी खेली।

इस मैच में जीत के बाद भी ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच होने वाले मुकाबले के परिणाम पर निर्भर रहना पड़ेगा। श्रीलंका की टीम अगर इंग्लैंड से जीत जाती है तभी ऑस्ट्रेलिया की टीम सेमीफाइनल में पहुंच पाएगी क्योंकि इंग्लैंड का

रन औसत ऑस्ट्रेलिया से बेहतर है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैक्सवेल ने 32 गेंद में नाबाद 54 रन बनाये।

मैक्सवेल ने अपनी पारी के दौरान छह चौके और दो छक्के लगाये। उनके अलावा मिशेल मार्श ने 45 रन और मार्कस स्टोइनिस ने 25 रन बनाये। इस मैच में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेजबान टीम के बल्लेबाज कैमरन ग्रीन का विकेट शुरु में ही निकल गया। इसके बाद डेविड वॉर्नर ने (18 गेंद में 25 रन) और मार्श ने (30 गेंद में 45 रन) बनकार स्कोर बढ़ाया। वॉर्नर और स्टीव स्मिथ के विकेट गिरने से पावरप्ले में टीम का स्कोर तीन विकेट पर 53 रन हो गया। ऑस्ट्रेलिया ने 86 रन पर चार विकेट खो दिये थे।

इसके बाद मैक्सवेल और स्टोइनिस ने पांचवें विकेट के लिये केवल 29 गेंद में 53 रन की साझेदारी बनकार टीम को स्कोर बढ़ाया। वहीं स्टोइनिस ने अपनी 21 गेंद की पारी के दौरान महज दो छक्के लगाये कार्यवाहक कप्तान मैथ्यू वेड असफल रहे। अफगानिस्तान की ओर से नवीन उल हक ने तीन जबकि फजलहक फारूकी ने 29 रन देकर दो विकेट लिए।

## कोहली ने बांग्लादेश के बल्लेबाज लिटन दास को एक बल्ला उपहार में दिया

**नई दिल्ली ।** पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने एडिलेड ओवल में बांग्लादेश के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 सुपर 12 मैच के बाद लिटन दास को एक बल्ला उपहार में दिया। बांग्लादेश 185 रनों का पीछा कर रहा था। इस दौरान लिटन ने 21 गेंदों में अर्धशतक बनाया और अपनी टीम को 7 ओवर के अंत में डकवर्थ लुईस नियम के अनुसार बराबर स्कोर से ऊपर रन बना लिए, लेकिन फिर बारिश ने खेल को रोक दिया। खेल फिर शुरू हुआ। लिटन ने 27 गेंदों पर 60 रन बनाए। इसके बाद केएल राहुल के डायरेक्ट थ्रो ने दास की गिल्लियां उड़ा दीं। मैच के बाद 'प्लेयर ऑफ द मैच' कोहली ने लिटन दास को एक बल्ला उपहार में दिया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) क्रिकेट संचालन के अध्यक्ष जलाल यूनुस ने इसकी पुष्टि की। कोहली ने इस मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 64 रनों की शानदार पारी खेली। यूनुस ने बताया, जब हम डाइनिंग हॉल में बैठे थे, तब विराट कोहली आए और लिटन दास को एक बैट गिफ्ट किया। मेरे हिसाब से यह लिटन के लिए प्रेरणा का क्षण था। यूनुस ने लिटन दास की प्रशंसा भी की, जिन्होंने बांग्लादेश को एडिलेड में भारत को हराने का एक मौका भी दिया था।

## एशिया कप में ही दिखाई दे गई थी अर्शदीप सिंह की प्रतिभा, वह भविष्य का बेहतरीन गेंदबाज: वसीम अकरम

**नई दिल्ली।** भारतीय टीम टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर रही है. टीम ने 4 में से कुल 3 मुकाबले जीते हैं. एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले अर्शदीप सिंह ने अपने पहले टी20 विश्व कप में सभी को प्रभावित किया है. उन्होंने अपने विश्व कप की शुरुआत पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को पहले गेंद पर आउट करने से की. अब पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अर्शदीप सिंह की तारीफ की है. वसीम अकरम ने कहा उसे टूर्नामेंट में अब तक कुल 9 विकेट मिले हैं. उसका टैलेंट तो मैंने और वकार यूनुस ने एशिया कप में ही देख लिया था. जिस तरीके से वह बॉल को दोनों तरफ स्विंग कराता है. वह धीमी गति की गेंद भी अच्छी डालता है और यॉर्कर भी. उसका भविष्य मुझे उज्ज्वल दिखाई दे रहा है. उसने बांग्लादेश के खिलाफ जो 2 विकेट लिए उसने पूरे खेल को बदल दिया था. पूर्व कप्तान शोएब मलिक भी इस पैनल का हिस्सा थे. उन्होंने भी अर्शदीप के कॉन्फिडेंस की काफी तारीफ की. उन्होंने कहा उसने एशिया कप में रन भी दिए थे और कैच भी ड्रॉप किए. इसके बावजूद उसका कॉन्फिडेंस नीचे नहीं गया. उल्लेखनीय है कि अर्शदीप सिंह ने अभी तक टी20 विश्व कप में कुल 9 विकेट लिए हैं. उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 3, नीदरलैंड के खिलाफ 2, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 और बांग्लादेश के खिलाफ कुल 2 विकेट लिए हैं. जिस तरह से भारतीय टीम बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है. अगर वह टूर्नामेंट में आगे खेलते हैं, तो बेशक अर्शदीप इस साल विश्व कप के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन सकते हैं.

## टी20 विश्वकप: सेमीफाइनल-फाइनल को लेकर आईसीसी ने किए नियम में बदलाव, बारिश की स्थिति में ऐसे होगा फैसला

**सिडनी (एजेंसी)।**

ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप के मुकाबले खेले जा रहे हैं। हालांकि, कई ऐसे मुकाबले भी रहे जो बारिश की वजह से धुल गए। इसी की वजह से आईसीसी ने अपने नियमों में बड़े बदलाव किए हैं। खबर के मुताबिक अगर सेमी फाइनल और फाइनल मुकाबला बारिश या अन्य किसी कारणों से बाधित होता है तो उस दौरान डकवर्थ लुईस नियम तभी लागू होंगे जब दोनों ही टीमें 10-10 ओवर का मैच खेल चुकी होंगी। आपको बता दें कि पहले यह पांच-पांच ओवरों के खेल के बाद ही लागू हो जाया करता था और उसी के आधार पर फैसला हो हुआ करता था। कई मुकाबले बारिश की वजह से रद्द हुए हैं। ऐसे में क्रिकेट फैंस को इस बात की आशंका है कि कहीं सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला भी तो बारिश की वजह से धुल ना

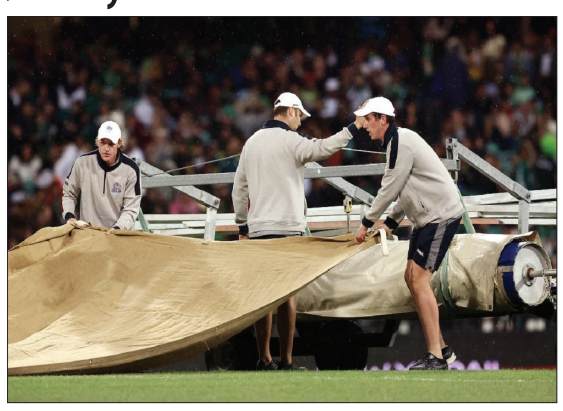

जाएं। यही कारण है कि अब आईसीसी ने नियम में बदलाव करते हुए सेमीफाइनल और फाइनल मैचों के लिए रिजर्व डे रखा है। यानी की सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले में अगर बारिश होती है और दोनों ही टीमों को 10-10 को ओवर खेलने का मौका नहीं मिलता है तो रिजर्व डे में यह मैच खेला जाएगा। सेमीफाइनल को लेकर एक और फैसला यह है कि अगर रिजर्व डे में भी कोई नतीजा नहीं निकलता है तो ग्रुप स्टेज में टॉप पर रहने वाली टीम फाइनल में पहुंच जाएगी। अगर बारिश की वजह से फाइनल मुकाबला धुल जाता है तो दोनों ही टीमों को विजेता घोषित किया जाएगा। उदाहरण के लिए 2002 के चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और श्रीलंका को संयुक्त विजेता घोषित किया गया था। टी20 विश्व कप 2022 का पहला सेमीफाइनल मुकाबला 9 नवंबर को खेला जाएगा। वहीं, दूसरा मैच एडिलेड ओवल में 10 नवंबर को आयोजित होगा। फाइनल मुकाबला 13 नवंबर को मेलबर्न में खेला जाएगा। अब तक कई मैच बारिश की वजह से इस टूर्नामेंट में धुल चुके हैं। न्यूजीलैंड ग्रुप एक से सेमीफाइनल में पहुंच चुका है जबकि ग्रुप-2 में टॉप पर फिलहाल भारतीय टीम है।

## डब्ल्यूटीए फाइनल्स: कोको बाहर हुई , स्वियातेक सेमीफाइनल में पहुंची

**सेन डियागो ।** अमेरिका की कोको गॉ डब्ल्यूटीए फाइनल्स से बाहर हो गयी हैं। कोको को राउंड रॉबिन मुकाबले में डारिया कासात्किना ने 6-7, 3-6 से हराया। डारिया की जीत के साथ ही कोको के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी टूट गयी हैं। वहीं विश्व की शीर्ष खिलाड़ी पोलैंड की इगा स्वियातेक ने कैरोलिन गार्सिया को 6-3, 6-2 से पराजित किया। इसी के साथ ही स्वियातेक ने 11 मैचों में नौवीं जीत हासिल की। स्वियातेक ने इस जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया है।

## बायजू ने एजुकेशन फॉर ऑल के लिए मेसी से किया करार , वैश्विक ब्रांड एम्बेसडर बनाया

**नई दिल्ली।** शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत कंपनी बायजू ने अपनी 'एजुकेशन फॉर ऑल' प्रोगाम के लिए अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी के साथ एक करार किया है। कंपनी ने मेसी को अपना पहला वैश्विक ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। कंपनी ने अपने एक बयान में कहा कि उसने उसने शिक्षा में समानता को बढ़ावा देने के लिए इस स्टार खिलाड़ी के साथ यह करार किया है। वहीं इस मामले में बायजू

की सह-संस्थापक दिव्या गोकुलनाथ ने कहा, मेसी को हमारे वैश्विक एम्बेसडर के रूप में अपने साथ पाकर हम उत्साहित हैं और सम्मानित महसूस कर रहे हैं। मेसी भी जमीनी स्तर से उठकर सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक बने हैं। बायजू अपने शीक्षा के कार्यक्रम एजुकेशन फॉर ऑल कार्यक्रम से करीब 55 लाख बच्चों को इसी तरह का अवसर देना चाहता है। मानवीय क्षमता की शक्ति को मेसी से ज्यादा बेहतर तरीके से कौन दिखा सकता है। बायजू और मेसी के बीच करार होने से इस कंपनी की विदेशों तक पहचान बन जाएगी क्योंकि फुटबॉल के दुनियाभर में लगभग 3.5 अरब प्रशंसक हैं, वहीं मेसी के सोशल मीडिया पर करीब 45 करोड़ फॉलोवर हैं। वहीं मेसी ने इस करार को लेकर कहा कि उच्च गुणवत्ता की शिक्षा जिंदगियां बदल देती है और बायजू ने तो दुनियाभर के लाखों छात्रों के करियर पथ को ही बदल दिया है जिसमें मैं अपना योगदाना देने का प्रयास कर रहा हूं।

## पाक महिला टीम की कप्तान मारूफ ने कहा , समान वेतन लागू करे पीसीबी

**लाहौर (एजेंसी)।**

पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान बिस्माह मारूफ ने कहा है कि पिछले आठ साल से महिला खिलाड़ियों की मैच फीस नहीं बढ़ी है। मारूफ ने इस मामले को लेकर (पीसीबी) को आड़े हाथों लिया है। मारूफ ने कहा कि महिला खिलाड़ी भी पुरुष क्रिकेटरों की तरह ही कड़ी मेहनत करती हैं। ऐसे में सभी को समान वेतन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड बोर्ड की तरह ही पीसीबी भी महिला क्रिकेटरों को बराबर वेतन दे। उन्होंने कहा कि पीसीबी को भारत, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की बराबरी के लिए अभी और कड़ी मेहनत करने होगी। मारूफ ने कहा, 'मेरा मानना है कि महिला खिलाड़ी भी कड़ी मेहनत करती हैं। यह भी सही है कि पाक महिला क्रिकेट को अब भी भारत, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की बराबरी पर आने के लिए काफी प्रयास करने होंगे।'

मारूफ ने पीसीबी की कुछ मामलों के लिए तारीफ भी की ओर कहा , 'मगर यह भी एक सच्चाई है कि कुछ सालों में पीसीबी ने महिला खिलाड़ियों को कई तरह के इनाम भी दिए हैं। इसके साथ ही शानदार सुविधाएं और अच्छे कोच भी उपलब्ध कराए हैं।' न्यूजीलैंड बोर्ड ने सबसे पहले महिला ओर पुरुष खिलाड़ियों के लिए समान वेतन का नियम बनाया। इसके बाद भारतीय बोर्ड ने भी समान वेतन का नियम अपनाया।

## टोक्यो ओलंपिक में मिले ब्रॉन्ज मेडल ने भारतीय हॉकी का चेहरा बदल दिया: रोहिदास

**भुवनेश्वर (एजेंसी)।**

भारतीय टीम के डिफेंडर अमित रोहिदास का कहना हैं कि टोक्यो ओलंपिक में मिले ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल ने भारतीय हॉकी का चेहरा बदलकर युवाओं को खेल में उतरने के लिए प्रेरित किया है। रोहिदास ने कहा कि गांव के बच्चों को एफआईएच विश्व कप का बेताबी से इंतजार है, जो 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला में खेला जाएगा। रोहिदास ने कहा, टोक्यो ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडल ने बहुत कुछ बदला। पहले गांवों में जो युवा हॉकी नहीं खेलते थे, वे भी अब खेलने लगे हैं। उन्होंने कहा, जब मैं घर जाकर यह देखता हूं, तब बहुत अच्छा लगता है। हर स्कूल में हॉकी खेलने वाले युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है।

ओड़िशा निवासी रोहिदास ने कहा कि घरेलू मैदान पर विश्व कप खेलना किसी भी खिलाड़ी के लिए जज्बाती पल है। उन्होंने कहा, अपने मैदान पर खेलना अलग तरह का अहसास है। दर्शक काफी सहयोग देकर प्रेरित करते हैं। ओडिशा में अलग तरह की ऊर्जा लेकर दर्शक आते हैं, जो हमें अतिरिक्त प्रेरणा देती है।

बता दें कि एफआईएच ओडिशा हॉकी विश्व कप 2023 में पूल डी में यूरोपीय दिग्गज इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के साथ मेजबान भारत 13 जनवरी को राउरकेला में स्पेन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। 1975 का विजेता भारत नवनिर्मित बिरसा मुंडा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में शाम 7 बजे प्राइम-टाइम मैच में स्पेन से भिड़ेगा। प्रतियोगिता पहले दिन 2016 के ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता अर्जेंटीना और दक्षिण अफ्रीका के बीच कलिंगा स्टेडियम में दोपहर 1 बजे के मैच से शुरू होगी। दिन का दूसरा मैच भी भुवनेश्वर में खेला जाएगा, जिसमें विश्व नंबर 1 ऑस्ट्रेलिया फ्रांस से भिड़ेगा।

राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में उद्घाटन मैच इंग्लैंड और वेल्स के बीच होगा। भारत और स्पेन दिन के आखिरी मैच में मुकाबला करने वाले हैं। टोक्यो ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडल विजेता भारत, इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स पूल डी में शामिल है। 8 सितंबर को आयोजित ड्रॉ के अनुसार, 16 टीमों को चार समूहों में विभाजित किया गया है। पूल ए में

ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका। पूल बी में बेल्जियम, जर्मनी, कोरिया और जापान शामिल हैं, जबकि पूल सी में नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, मलेशिया और चिली शामिल हैं।

## आईएसएल: एफसी गोवा ने जमशेदपुर एफसी को 3-0 से हराया

**मडगांव।** एफसी गोवा ने गुरूवार को यहां जमशेदपुर एफसी को 3-0 से हराकर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के इस सत्र के पहले घरेलू मैच में जीत दर्ज की। उसके लिये इकेर गुआरोतजेना और नोआ वेल सादोऊ ने गोल कर पहले 15 मिनट के अंदर अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया। ब्रायसन फर्नांडिज ने 93वें मिनट में अपनी टीम के लिये तीसरा गोल दागा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# तब बाढ़ में भी नहीं डूबेंगे धान के पौधे!

तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। अब जापानी वैज्ञानिकों ने ऐसे जीनों का पता लगाया है जिनके जरिए चावल के पौधे का विकास इस तेजी से बढ़ाया जा सकता है कि वह पानी में डूबे ही नहीं।

भारत में चावल उगाने वाले किसान जहां बरसात के लिए तरसते हैं, वहीं उससे बहुत डरते भी हैं। उनके मन में कई सवाल होते हैं, क्या बरसात ठीक वक्त पर आएगी, ज़्यादा तेज और लंबी तो नहीं होगी, कितनी बार फसल बरसात की वजह से खराब हो जाती है और हज़ारों किसानों के लिए भारत में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और दूसरे एशियाई देशों में भी गुजारा करना मुश्किल हो जाता है।

अक्सर यह देखा गया है कि तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। खेतों मे बढ़ता हुआ जलस्तर चावल के पौधों के लिए सामान?यतर अच्छा ही रहता है, लेकिन यह ज़रूरी है कि पौधे के उपरी हिस्से हवा के संपर्क में बने रहें। हालांकि मानसूनी इलाकों में बरसात और बाढ की वजह से चावल के खेतों में पानी इतना ज?यादा भर जाता है कि धान के पौधे बिल्कुल डूब जाते हैं तथा इससे वे सड़ने लगते हैं और मर भी जाते हैं।

गौरतलब है कि गहरे पानी में उगनेवाले चावल की प्रजाति को जलजमाव से कोई समस्या नहीं होती। पानी के साथ-साथ उसके तने वाले डंठल भी बढ़ते जाते हैं।

जापान के नागोया विश्वविद्यालय के मोतोयुकी अशिकारी कहते हैंर

गहरे पानी में उगने वाले चावल के पौधे, पानी की गहराई से ऊपर बने रहने के लिए, एक मीटर तक बढ़ सकते हैं। वे हवा के संपर्क में बने रहने के लिए ऐसा करते है। वे अंदर से खोखले होते हैं, लेकिन उसके जरिए पौधा पानी की सतह से उपर पहुंच सकता है और ऑक्सीजन पा सकता है। यह कुछ ऐसा ही है कि जब आप गोताखोरी कर रहे होते हैं, तो पानी से ऊपर निकली एक नली से सांस लेते हैं।

बरसात के समय ऐसे चावल के तने 25 सेंटीमीटर प्रतिदिन की एक अनोखी गति से बढ़ सकते हैं। अशिकारी और उनकी टीम ने इस प्रक्रिया को समझने के लिए इस चावल के जीनों से यह समझने की कोशिश की कि चावल बरसात के वक्त अपने विकास को किस तरह नियंत्रित करता है। अध्ययनों से अब तक जितना पता चला है वह यह है कि एक गैसीय विकास-हॉर्मोन एथीलिन इसके लिए जिम्मेदार है, जैसाकि नीदरलैंड के उएतरेश्त विश्वविद्यालय के रेंस वोएसेनेक बताते हैंर

जब पौधा पूरी तरह पानी में डूब जाता है तब यह गैस ठीक तरह से मुक्त नहीं हो पाती। यू कहें कि वह पौधे में ही कैद हो जाती है। यानी पौधे में एथिलिन की मत्रा बढ़ने लगती है। यह पौधे के लिए संकेत है कि वह पानी में डूब रहा है और उसे कुछ करना है।

जापानी विशेषज्ञों ने पता लगाने की कोशिश की कि कौन से जीन इस स्थिति में सक्रिय होते हैं। उन्होने ऐसे जीन पाए जिनको वे गोताखोरी में इस्तेमाल होनेवाली नली के अनुरूप स्नोर्कल जीन कहते हैं। ये जीन तभी सक्रिय होते हैं जब पौधे के तने में एथिलिन की मात्रा बढ़ने लगती है। वे पौधे के विकास को तेज करने वाले दूसरे तत्वों का उत्पादन शुरू कर देते हैं। मोतोयुकी अशिकारी कहते हैंर

हमने क्रॉमोसोम 1,3 और 12 पर यह तथाकथित नलिका जीन पाए। उन्हें यदि सामान्य चावल के पौधों में भी मिलाया जा सके, तो बरसात के वक्त सामान्य चावल के पौधे भी वही करेंगे जो गहरे पानी में उगने वाला चावल करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम चावल की हर प्रजाति को गहरे पानी में उगने वाले चावल की प्रजाति बना सकते हैं।

यानी इन जीनों की मदद से चावल की उस फसल को बचाया जा सकता है जो पानी की अधिकता के प्रति बहुत संवेदनशील है। जहां अक्सर बाढ आती है वहां के किसानों की इस बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है। एक और समस्या भी दूर हो सकती है - गहरे पानी में उगने वाला चावल बहुत ही कम फसल देता है, प्रति हेक्टेयर सिर्फ एक टन जो उपजाऊ क़िस्मों की तुलना में सिर्फ 20 फीसदी के बराबर है। नीदरलैंड के विशेषज्ञ रेंस वोएसेनेक बहुत ही आशावादी हैंर

विकास के लिए जिम्मेदार इन जीनों के बारे में पता चल जाने के बाद अब हम चावल की अलग-अलग प्रजातियों के बीच प्रकृतिक संवर्धन के जरिए, यानी वर्णसंकर के जरिए भी इन जीनों को उनके पौधे में डाल सकते हैं। इसके लिए किसी जीन तकनीक जरूरत ही नहीं हैं।

जापान के विशेषज्ञों ने यह काम शुरू कर भी दिया है। उनके अध्ययनों से एक बार फिर पता चलता है कि पौधों के संवर्धन के लिए उनके जीनों में असामान्य गुणों की तालाश कितनी जरूरी है।

# कुदरती खेती का एक अनूठा प्रयोग

भारत एक कृषि प्रधान देश है। प्रकृति की कृपा तथा हमारे किसानों कि आर्थिक मेहनत से हमारी भूमि सदा उपजाऊ रही है। प्राचीन समय में हमारी खेती प्राकृतिक संपदा व संसाधनों पर ही निर्भर थी और देश की खाद्यान्नों सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा कर पाती थी। जैसे-जैसे देश में शहरीकरण व औद्योगिकरण बढते गये , गांवों से लोग खेती को छोड़ शहरों की ओर आते गये। प्राकृतिक खेती पध्दति कम होती गई और रासायनिक खाद आदि का प्रयोग बढता गया। ज़मीन की उत्पादकता घटती गई और साथ ही किसान की आय भी। सन 1965 में भारत में हरित क्रांति आयी जिससे उपज तो बढी मगर रासायनिक उरवरक तथा अन्य उत्पादों के अन्धाधुन्ध प्रयोग से मिटटी की उत्पादकता भी कम होती गयी।

यूरोप, अमरीका व एशिया में सन् 1940-50 के दकों में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती की प्रक्रियाओं पर बहुत प्रयोग किये गये। खेती कि ये विधायें भारत में सन 1980 के दशक से आगे बढी हैं। जैविक खेती की पद्धति में रासायनिक पध्दाथों का प्रयोग वर्जित है। प्राकृतिक खेती में केवल प्राकृतिक प्रक्रियाओं व संसाधनों का ही प्रयोग होता है। आधुनिक खेती या रासायनिक खेती प्रकृति के खिलाफ है। रासायनिक खादों व कीटनाशकों से हमारे खेतों की मिट्टी की उर्वरता खत्म हो रही है। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीवाणु और जैव तत्त्व मर रहे हैं और वह बंजर हो जाती है। कुदरती खेती प्रकृति के साथ होती है। यद्यपि प्राकृतिक खेती की शुरूआत जापान के कृषि वैज्ञानिक फुकुओवा ने की है लेकिन हमारे यहां भी ऐसी खेती होती रही है। मंडला के बैगा आदिवासी बिना जुताई की खेती करते हैं जिसे झूम खेती कहते हैं।

भारत के मध्य प्रदेश राज्य के होशंगाबाद ज़िले के एक फार्म मे लगभग पिछले 25 वर्षों से प्राक्रतिक खेती, जिसे कुदरती खेती भी कहते है, हो रही है। करीब 12 एकड़ के इस फार्म में सिर्फ 1 एकड़ में खेती की जा रही है। यहां बिना जुताई (नो टिलिग) और रासायनिक खाद के खेती की जा रही है। बीजों को मिट्टी की गोली बनाकर बिखेर दिया जाता है और वे उग आते हैं। यह सिर्फ खेती की एक पद्धति भर नहीं है बल्कि जीवनशैली है। यहां का अनाज, फल पानी और हवा शुध्द है। यहा कुआं है, जिसमें पर्याप्त पानी है। बिना जुताई के खेती मुश्किल है, ऐसा लगना स्वाभाविक है। पहली बार सुनने पर विश?वास नहीं होता लेकिन देखने के बाद सभी शंकाएं निर्मूल हो जाती हैं। दरअसल, इस पर्यावरणीय पद्धति में मिट्टी की उर्वरता उत्तारोतर बढ़ती जाती है।

बाकी के 11 एकड़ में सुबबूल (आस्टेलियन अगेसिया) का जंगल है। सुबबूल एक चारे की प्रजाति है। इस जंगल से मवेशियों का चारा और लकड़ियां मिल जाती हैं। लकड़ियों की टाल है, जहां से जलाऊ लकड़ी बिकती हैं, जो फार्म की आय का मुख्य स्रोत है। एक एकड़ जंगल से हर वर्ष करीब ढाई लाख रूपये की लकड़ी बेच लेते हैं।

गेहूं के खेतों में हवा के साथ गेहूं के हरे पौधे लहलहाते हैं। खेत में फलदार और अन्य जंगली पेड़ हैं जिनके नीचे गेहूं की फसल होती है। आम तौर पर खेतों में पेड़ नहीं होते हैं लेकिन यहां अमरूद, नीबू और बबूल के पेड़ हैं जिन के कारण खेतों में गहराई तक जड़ों का जाल बुना रहता है। इससे भी जमीन ताकतवर बनती जाती है। अनाज और फसलों के पौधे पेड़ों की छाया तले अच्छे होते हैं। छाया का असर जमीन के उपजाऊ होने पर निर्भर करता है। चूंकि यहां जमीन की उर्वरता अधिक है, इसलिए पेड़ों की छाया का फसल पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता।

इन खेतों में पुआल, नरवाई, चारा, तिनका व छोटी-छोटी टहनियों को पड़ा रहने देते हैं, जो सड़कर जैव खाद बनाती हैं। खेत में तमाम छोटी-बड़ी वनस्पतियों के साथ जैव विविधताएं आती -जाती रहती हैं। और हर मौसम में जमीन ताकतवर होती जाती है। इस जमीन में पौधे भी स्वस्थ और ताकतवर होते हैं जिन्हें जल्द बीमारी नहीं घेरती।

यहां जमीन को हमेशा ढककर रखा जाता है। यह ढकाव हरा या सूखा किसी भी तरह से हो, इससे फर्क नहीं पड़ता। इस ढकाव के नीचे अनगिनत जीवाणु, केंचुए और कीड़े-मकोड़े रहते हैं और उनके ऊपर-नीचे आते-जाते रहने से जमीन पोली और हवादार व उपजाऊ बनती है।

आमतौर पर किसान अपने खेतों से अतिरिक्त पानी को नालियों से बाहर निकाल देते हैं लेकिन यहां ऐसा नहीं किया जाता। बारिश में कितना ही पानी गिरे, वह खेत के बाहर नहीं जाता। खेतों में जो खरपतवार, ग्रीन कवर या पेड़ होते हैं, वे पानी को सोखते हैं। इससे एक ओर खेतों में नमी बनी रहती है, दूसरी ओर वह पानी वाश?पीकृत होकर बादल बनता है और बारिश में पुन् बरसता है। इसके विपरीत, जब जमीन की जुताई की जाती है और उसमें पानी दिया जाता है तो खेत में कीचड़ हो जाती है। बारिश होती है तो पानी नीचे नहीं जा पाता और तेजी से बहता है। पानी के साथ खेत की उपजाऊ मिट्टी बह जाती है। इस तरह हम मिट्टी की उपजाऊ परत को बर्बाद कर रहे हैं और भूजल का पुनर्भरण भी नहीं कर पा रहे हैं। साल दर साल भूजल नीचे चला जा रहा है।

यहां खेती भोजन की जरूरत के हिसाब से होती हैं, बाजार के हिसाब से नहीं। जरूरत एक एकड़ से ही पूरी हो जाती है। यहां से अनाज, फल और सब्जियां मिलती हैं, जो परिवार की जरूरत पूरी कर देती हैं। जाड़े मे गेहूं, गर्मी में मक्का व मूंग और बारिश में धान की फसल ली जाती है। कुदरती खेती में भूख मिटाने के साथ समस्त जीव-जगत के पालन का विचार है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण होता हैं। इसे ऋषि खेती भी कहते हैं क्योंकि ऋषि मुनि कंद-मूल, फल और दूध को भोजन के रूप में ग्रहण करते थे, बहुत कम जमीन पर मोटे अनाजों को उपजाते थे। वे धरती को अपनी मां के समान मानते थे, उससे उतना ही लेते थे जितनी जरूरत थी। अतर कुदरती खेती का यह प्रयोग सराहनीय होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी है।

## पूर्व पीएम इमरान पर हमले मामले में दो और संदिग्ध गिरफ्तार

लाहौर । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर हमले के मामले में दो और संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि इन दोनों संदिग्धों ने ही पूर्व पीएम खान पर गोलीबारी करने वाले नवीद मोहम्मद बशीर को पिस्तौल और गोलियां बेची थीं। पंजाब प्रांत के वजीराबाद में विरोध मार्च के दौरान गुरुवार को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 70 वर्षीय प्रमुख के काफिले पर हमला किया गया था और उनके पैर में गोली लगी थी। हमले में एक शख्स की मौत हो गई है, तथा कम से कम 10 लोग जख्मी हो गए हैं। बशीर ने बाद में कबूल किया था कि उसने पीएम खान पर हमला इसलिए किया क्योंकि 'वह अवाम को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।' पुलिस सूत्रों के हवाले से दी गई खबर के मुताबिक, संदिग्धों की पहचान वकास और साजिद बट के तौर पर हुई है और उन्होंने बशीर को 20 हजार रुपये में पिस्तौल और गोलियां बेची थीं। खबर में कहा गया है कि उन्हें पंजाब प्रांत के वजीराबाद से गिरफ्तार किया गया है। चश्मदीदों के मुताबिक, बशीर ने उस कंटेनर पर करीब से गोलीबारी की जिसे एक ट्रक पर रखा गया था और उसमें ही खान सवार थे। पार्टी के अनुसार, खान को सड़क मार्ग के जरिए लाहौर के शौकत खानम अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका ऑपरेशन किया गया। उनकी हालत स्थिर है। दिलचस्प है कि यह अस्पताल खान ने ही बनवाया है और इसका नाम उनकी मां के नाम पर है।

## बांग्लादेश में डेंगू से 24 घंटे में 9 लोगों की मौत

ढाका । बांग्लादेश में पिछले 24 घंटों में डेंगू से 9 लोगों की मौत हो गई है। यह संख्या जनवरी के बाद सबसे ज्यादा है। इसके चलते इस साल मच्छरजनित बीमारी से आधिकारिक तौर पर मरने वालों की संख्या बढ़कर 161 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अनुसार, इस माह के पहले तीन दिनों में डेंगू के 2,959 मामले सामने आए थे। दक्षिण एशियाई देश में डेंगू के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली थी। नवंबर में अब तक 20 मौतें हो चुकी हैं, वहीं अक्टूबर में 86, सितंबर में 34, अगस्त में 11, जुलाई में 9 और जून में एक मौत हुई थी। गंभीर मामलों में जोड़ों में दर्द, चक्कर आना, उल्टी, चकत्ते, सांस लेने में समस्या, रक्तस्राव और किसी अंग का काम करना बंद होना शामिल है। जून-सितंबर मानसून की अवधि में बांग्लादेश में डेंगू बुखार के मामलों में व्यापक वृद्धि देखने को मिली। अधिकांश मामले राजधानी ढाका से सामने आए। पिछले 24 घंटों में ढाका में 498 समेत डेंगू के कुल 882 नए मामले सामने आए। डीजीएचएस के अनुसार, अक्टूबर में डेंगू के 21,932 मामले दर्ज किए गए थे, सितंबर में 9,911 लोग मच्छर जनित बीमारी से संक्रमित हुए थे। इस साल अब तक डेंगू के 40,983 मामले सामने आ चुके है और 37,146 मरीज ठीक हो चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्री जाहिद मालेक ने गुरुवार को निवारक उपायों को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सार्वजनिक जागरूकता के बिना डेंगू को नियंत्रित करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि देश में रुक-रुक कर हो रही बारिश के बीच डेंगू का प्रकोप अभी भी जारी है, जिससे चीजें और कठिन हो गई हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के अलावा सिंगापुर, मलेशिया, इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम भी जलवायु परिवर्तन के कारण बड़ी संख्या में लोग डेंगू से प्रभावित हुए हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार देश में डेंगू की मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए ईमानदारी से काम कर रही है।

## पिता की लोड बंदूक से 2 साल के बच्चे के चला दी गोली, हुई मौत

वाशिंगटन । अमेरिका के गन कल्चर से सभी लोग वाकिफ हैं। अमेरिका से आए दिन अंधाधुंध फायरिंग की खबरें आती रहते हैं। इसके शिकार ज्यादातर स्कूल के बच्चे होते हैं। बंदूक के लाइसेंस किसको दे और किसको नहीं इस लेकर वहां लगातार बहस चल रही है। लेकिन इस बीच बच्चे इसके लगातार शिकार हो रहे हैं। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। एक 2 साल के बच्चे ने गलती से अपने ऊपर गोली चला ली। हादसे में बच्चे की मौत हो गई। ये बंदूक उसके पिता ने एक पिकअप ट्रक में रखी थी। हैरान करने वाली बात ये है कि इसमें गोली पहले से ही लोड थी। घटना 15 अक्टूबर की है। घर के बाहर गाड़ी का दरवाजा खुला था। गाड़ी में एक लोडेड स्मिथ एंड वेसन 40-कैलिबर हैंडगन रखी थी। ये आगे की सीट पर थी। बंदूक को देखकर बच्चा खुश हो गया और वहां बंदूक से खेलने लगा। बच्चे के माता-पिता घर में थे। इस दौरान बच्चे ने गलती से खुद को सिर में गोली मार दी। बच्चे को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया। बच्चे के पिता टायलर ओसर पर नाबालिगों की सुरक्षा के लिए अपने बंदूक को ठीक से और सुरक्षित रूप से न रखने का आरोप लगाया गया है। डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी सुसान डॉयल ने कहा, मेरे दिल में माता-पिता के लिए शोक है उन्होंने अपने बेटे को खो दिया। ये बंदूक मालिकों की जिम्मेदारी के बारे में है कि आगे से हथियारों को बच्चों से सुरक्षित रूप से दूर रखकर नाबालिगों की रक्षा की जाए। परिवार के सदस्यों और दोस्तों ने उनके बेटे के अंतिम संस्कार के लिए पैसे जुटाने में मदद करने के लिए अकाउंट बनाया है। अब तक 22 हजार डॉलर जमा हो गए हैं।

## 'जलवायु संबंधी उथल-पुथल' की ओर बढ़ रहा ग्रह- गुतारेस

वाशिंगटन । संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने बृहस्पतिवार को चेताया कि ग्रह एक ऐसी जलवायु संबंधी उथल-पुथल की ओर बढ़ रहा है, जिसकी भरपाई संभव नहीं होगी। उन्होंने मिस्र में आयोजित होने वाले जलवायु शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने जा रहे वैश्विक नेताओं से कार्बन उत्सर्जन में कटौती की राह पर लौटने, जलवायु वित्त पोषण पर वादों को पूरा करने और विकासशील देशों को नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने के प्रयासों को गति देने में मदद करने का आग्रह भी किया। गुतारेस ने कहा कि जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र के रूपरेखा समझौते में शामिल पक्षों के 27वें वार्षिक सम्मेलन (सीओपी27) के दौरान ''विश्वास बहाली और जलवायु परिवर्तन से हमारे ग्रह को बचाने के लिए आवश्यक महत्वाकांक्षा को फिर से स्थापित करने का प्रयास होना चाहिए।'' सीओपी27 का आयोजन छह नवंबर से मिस्र के शर्म-अल-शेख में होगा। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि सीओपी27 का सबसे अहम निष्कर्ष कार्बन उत्सर्जन में तेजी से कटौती की स्पष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति के रूप में सामने आना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए अमीर विकसित देशों और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच एक ऐतिहासिक समझौते की आवश्यकता है और ''अगर यह समझौता नहीं होता है, तो हम बर्बाद हो जाएंगे।

## यूक्रेन के आठ मानव रहित कॉम्बैट ड्रोन को रुसी वायुसेना ने मार गिराया

मास्को । यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध के आठ महीने बिताने के बाद रूसी सैनिकों ने वापस अपनी पकड़ को मजबूत करना शुरू कर दिया है। रुसी मीडिया के मुताबिक रूसी वायुसेना ने यूक्रेन के आठ मानव रहित कॉम्बैट ड्रोन को मार गिराया है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट-जनरल इगोर कोनाशेनकोव ने बताया कि रूसी वायु रक्षा बलों ने विशेष सैन्य अभियान में यूक्रेन के आठ मानव रहित हवाई लड़ाकू विमानों, 13 हैमर मिसाइल लांचर, ओलखा और उरगन रॉकेटों को नष्ट कर दिया है। पिछले 24 घंटे में, वायुसेना ने आठ यूक्रेनी मानव रहित लड़ाकू विमानों को खेरसॉन, लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक, और खारकोव क्षेत्र में मार गिराया है। जनरल ने कहा कि रूसी वायुरक्षा प्रणालियों ने इन क्षेत्रों में हैंमस, ओलखा और उरगन मल्टीपल लांच रॉकेट सिस्टम के 13 रॉकेटों को भी मार गिराया है। बता दें कि हैंम्रस अमेरिकी सेना का एडवांस रॉकेट लॉन्चर है, जो बीते दिनों रूस पर भारी पड़ रहा था। यूक्रेन को रूस द्वारा कब्जा किये क्षेत्रों को छुड़ाना बेहद महंगा पड़ रहा है। रूस की सेना ने यूक्रेन के हमलों का जवाब देकर एक हफ्ते के भीतर 2500 से अधिक जवानों को मार गिराया है। पिछले 24 घंटे में लुहांस्क पीपुल्स रिपब्लिक (एलपीआर) की सेनाओं के साथ लड़ाई में यूक्रेन के कम से कम 50 जवानों की मौत हो गई थी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूसी सशस्त्र बलों ने पिछले सप्ताह यूक्रेन में अपने विशेष सैन्य अभियान के दौरान 2,500 से अधिक यूक्रेनी और विदेशी भाड़े के सैनिकों का सफाया कर दिया। एक सप्ताह पहले मारे गए सैनिकों की तुलना में यह संख्या डेढ़ गुना अधिक है।

## ईरान में प्रदर्शनकारियों पर कठोर कार्रवाई, 14 हजार लोगों को गिरफ्तार किया

तेहरान। ईरान में 22 वर्षीय महसा अमीनी की मौत के बाद व्यापक प्रदर्शन का दौर हो रहा है। सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर कठोर कार्रवाई कर हिजाब के खिलाफ विरोध प्रदर्शन को दबाने की पूरी कोशिश की जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पिछले 6 हफ्तों में ईरान में कम से कम 14 हजार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें महिलाएं, बच्चे, पुरुष, मानवाधिकार रक्षक, छात्र, वकील, पत्रकार और नागरिक अधिकार कार्यकर्ता शामिल हैं। ईरान में मानवाधिकारों की स्थिति पर नजर रखने वाले स्पेशल रिपोर्टर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संबोधन में कहा कि देश में सुरक्षा बलों की क्रूर कार्रवाई के कारण कम से कम 277 लोगों की मौत हो गई है। यह मानवाधिकार समूहों की रिपोर्टों द्वारा समर्थित आंकड़ा है।

बहरीन के सकीरा पैलेस में पोप फ्रांसिस के साथ नजर आये बहरीन के प्रिंस सलमान और किंग हमाद बिन।

## बुल्गारिया : सोफिया में नेल्सन मंडेला की पहली प्रतिमा का अनावरण

दक्षिण अफ्रीका ने दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर बुल्गारिया की राजधानी सोफिया में रंगभेद विरोधी नेता नेल्सन मंडेला की पहली प्रतिमा का अनावरण किया है। प्रतिमा के अनावरण के मौके पर बृहस्पतिवार को जारी एक बयान के मुताबिक, 'दक्षिण अफ्रीकी दूतावास ने नेल्सन मंडेला की विरासत को संरक्षित करने और एक मकसद के लिए समर्पित उनके जीवन को सम्मानित करने के उद्देश्य से इस परियोजना की शुरुआत की, जिसने उन्हें शांति और समानता के संघर्ष में एक प्रसिद्ध वैश्विक राजनेता बना दिया।' बयान में कहा गया,÷यह ऐतिहासिक घटना दक्षिण अफ्रीका और बुल्गारिया के बीच सफल राजनयिक संबंधों की महत्वपूर्ण 30वीं वर्षगांठ को चिह्नित करेगी, जिसने दोनों देशों के विकास में योगदान दिया है।÷ मंडेला के सम्मान में उनके नाम पर सोफिया में एक सड़क का नामकरण भी किया गया। प्रतिमा का निर्माण दक्षिण अफ्रीकी मूर्तिकार, जेल्डा स्ट्राउड ने किया है। हर प्रमुख दक्षिण अफ्रीकी शहर के अलावा, संयुक्त राष्ट्र सहित दुनिया भर में मंडेला की कई प्रतिमाएं स्थापित हैं।

## संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी ने कहा- रूस के 'डर्टी बम' के दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं मिला

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

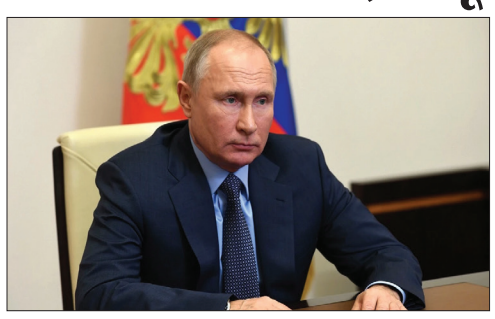

संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसके निरीक्षकों को रूस के इस दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं मिला कि यूक्रेन, मास्को पर दोष मढ़ने के इरादे से एक रेडियोधर्मी 'डर्टी बम' बना रहा और विस्फोट करने वाला है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा कि यूक्रेन सरकार के अनुरोध पर निरीक्षणों में ''अघोषित परमाणु गतिविधियों और सामग्रियों का कोई संकेत नहीं मिला।''

एजेंसी ने कहा कि उसके विशेषज्ञों ने यूक्रेन में तीन स्थानों पर निरीक्षण किया और उन्हें उन जगहों तक निर्बाध पहुंच प्रदान की गई। आईएईए ने एक बयान में कहा, ''आज तक उपलब्ध परिणामों के मूल्यांकन और यूक्रेन द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर एजेंसी को अघोषित परमाणु गतिविधियों और स्थानों पर सामग्री का कोई संकेत नहीं मिला।''

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत शीर्ष अधिकारियों ने बार-बार निराधार दावे किए हैं कि यूक्रेन एक बम विस्फोट करने वाला है जिससे रेडियोधर्मी कचरा बिखरेगा। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वासिली नेबेंजिया ने पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्यों को लिखे एक पत्र में दावा किया था कि यूक्रेन की परमाणु अनुसंधान सुविधा और खनन कंपनी को ''इस तरह के डर्टी बम को विकसित करने के लिए (राष्ट्रपति वोलोदिमीर) जेलेंस्की के शासन से आदेश प्राप्त हुए थे।''

यूक्रेन के अधिकारियों ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि रूस इस तरह युद्ध को और तेज करना चाहता है। इससे पूर्व, यूक्रेन की परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने कहा कि रूस की ओर से किए गए हमले ने जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र को यूक्रेन ग्रिड से जोड़ने वाले बिजली आपूर्ति तंत्र को क्षतिग्रस्त कर दिया है। इस हमले के कारण अब यूरोप का यह सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र एक बार फिर से डीजल से चलने वाले जेनरेटर पर निर्भर हो गया है।

यूक्रेन की परमाणु ऊर्जा एजेंसी एनगोंटम ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन में जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र को 15 दिन के लिए चलाने के वास्ते जेनरेटर के पास पर्याप्त ईंधन है। एनगोंटम ने कहा कि उसके पास परमाणु ऊर्जा संयंत्र को सुरक्षित स्थिति में बनाए रखने के लिए सीमित संसाधन हैं। अपने छह रिएक्टरों के निष्क्रिय होने के कारण, संयंत्र अपने खर्च किए गए ईंधन को ठंडा करने के लिए बाहरी बिजली पर निर्भर है। आईएईए ने चेतावनी दी है कि संयंत्र पर और उसके आस-पास गोलीबारी के परिणामस्वरूप विकिरण के आपात हालात पैदा हो सकते हैं।

## भारत में अगले राजदूत के लिए गार्सेटी के नाम पर जल्द मुहर लगाएं सीनेट : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन (एजेंसी)।

व्हाइट हाउस ने लॉस एंजिलिस के मेयर एरिक गार्सेटी को भारत में अमेरिका का अगला राजदूत बनाने के लिए संसद से उनके नाम पर जल्द मुहर लगाने की मांग की है। राष्ट्रपति के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। बता दें, बाइडन प्रशासन ने जुलाई, 2021 में भारत के अगले राजदूत के रूप में गार्सेटी के नाम की घोषणा की थी। हालांकि, अमेरिकी सीनेट की ओर से अभी तक उनके नाम की पुष्टि होना बाकी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन जीन-पियरे ने इस मुद्दे पर पत्रकारों कोबताया, 'हम गार्सेटी के नाम पर मुहर लगाए जाने की मांग जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, भारत के राजदूत के रूप में गार्सेटी की नियुक्ति बाइडन प्रशासन की प्राथमिकता है, जिन्हें भारत में राजदूत के रूप में सेवा करने के लिए मजबूत द्विदलीय समर्थन मिला था।' गार्सेटी के नाम पर सीनेट से पुष्टि बीते एक साल से लंबित है। उन पर एक वरिष्ठ कर्मचारी द्वारा अनुचित व्यवहार का आरोप लगा था, इस कारण से रिपब्लिकन सीनेटर चक ग्रासली ने उनके नामांकन का शुरु में विरोध किया था। हालांकि, बाद में गार्सेटी के नामांकन पर से रोक हटा ली गई थी। सत्तारूढ़ डेमोक्रेट्स पूर्ण सीनेट के समक्ष उनके नामांकन को लाने के लिए अनिच्छुक हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि गार्सेटी के पास इसके लिए पर्याप्त मत नहीं हैं। हालांकि, इस संबंध में डेमोक्रेटिक सीनेट नेतृत्व की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। व्हाइट हाउस का कहना है कि गार्सेटी के पास अभी भी मौका है। जीन-पियरे ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, 'इस समय हमारे पास कोई जानकारी नहीं है। लेकिन, हां, यह हमारे लिए प्राथमिकता बनी हुई है।' उन्होंने कहा, 'जैसा कि विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है, भारत के साथ हमारी एक महत्वपूर्ण और परिणामोन्मुखी साझेदारी है।' गार्सेटी 2013 से लॉस एंजेलिस के मेयर हैं।

## श्रीलंका में दुबई से लौटा युवक मंकीपॉक्स से संक्रमित, देश का पहला मामला

कोलंबो (एजेंसी)।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे श्रीलंका में मंकीपॉक्स का पहला मामला सामने आने से हड़कंप मच गया है। पहले केस की पुष्टि स्वास्थ्य मंत्रालय ने की है। मरीज की पहचान 20 वर्षीय युवक के रूप में हुई है। युवक दुबई से वापस लौटा था। लौटने के बाद युवक को थकान महसूस हो रही थी, इसके बाद युवक ने डॉक्टर से संपर्क किया। जहां उसका सैंपल लेकर 2 नवंबर की दोपहर को एमआरआई के लिए भेजा गया था।

रिपोर्ट के अनुसार बढ़े हुए लिम्फ नोड्स और थकान के कारण मरीज इलाज के लिए राष्ट्रीय एसटीडी क्लिनिक गया था। वहां डॉक्टरों को मंकीपॉक्स होने का संदेह हुआ। इसके बाद युवक को मेडिकल रिसर्च डिवीजन के वायरोलॉजी विभाग में भेज दिया गया। जहां देर रात वायरोलॉजी विभाग ने एमआईआर कर मंकीपॉक्स विशिष्ट रीयल-टाइम पीसीआर परीक्षण किया। युवक के लिए गए सैंपल में विशिष्ट लक्षित जीन पाए गए। सावधानीपूर्वक विश्लेषण के बाद यह पुष्टि हुई कि रोगी मंकीपॉक्स वायरस से संक्रमित है। मालूम हो कि मंकीपॉक्स एक वायरल जूनोसिस (जानवरों से मनुष्यों में प्रसारित होने वाला वायरस) है। इसमें चेचक के रोगियों में अतीत में दिखे लक्षणों के समान लक्षण होते हैं, हालांकि यह चिकित्सकीय रूप से कम गंभीर है। मंकीपॉक्स के लक्षण 6 से 13 दिनों में दिखने लगते हैं। इसमें रोगी को बुखार, तेज सिरदर्द, पीठ और मांसपेशियों में दर्द के साथ गंभीर कमजोरी महसूस हो सकती है। आमतौर पर मंकीपॉक्स के एक इंसान से दूसरे इंसान में संक्रमण की आशंका कम है, लेकिन कभी-कभी पीड़ित व्यक्ति के खांसने पर अगर उसके मुंह से निकले ड्रॉपलेट में वायरस की मौजूदगी रहती है, तब इससे दूसरा व्यक्ति संक्रमित हो सकता है। उस स्थिति में कोविड की तरह ही यह दूसरे को संक्रमित कर सकता है।

## इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने कहा- किसी को भी देश की शांति भंग करने की इजाजत नहीं दी जाएगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह किसी को भी देश की शांति भंग करने की अनुमति नहीं देगा। साथ ही इसने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) की उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें संघीय राजधानी में महारैली और धरना-प्रदर्शन की अनुमति मांगी गयी है। उच्च न्यायालय ने पीटीआई की उस याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें संघीय सरकार को इस्लामाबाद में शीघ्र आम चुनाव की मांग को लेकर महारैली और धरना-प्रदर्शन की अनुमति न देने का आरोप लगाया गया था।

मीडिया में प्रकाशित खबरों के अनुसार, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में विरोध मार्च के दौरान एक अज्ञात बंदूकधारी ने पीटीआई प्रमुख खान पर गोलियां चलाईं, जिसमें वह घायल हो गए। खान पर यह हमला विरोध मार्च के सातवें दिन उस समय हुआ, जब यह पंजाब प्रांत के वजीराबाद शहर के अल्लाहवाला चौक पर पहुंचे। देश में मध्यावधि चुनाव की मांग को लेकर खान का हकीकी आजादी मार्च 28 अक्टूबर को लाहौर में शुरू किया गया था।

पीटीआई ने 31 अक्टूबर को एक याचिका दायर कर इस्लामाबाद में महारैली और धरना प्रदर्शन करने की अनुमति मांगी थी तथा प्रदर्शनकारियों को अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया कराने की भी मांग की थी। आज की सुनवाई के दौरान, संघीय सरकार ने एक मसौदा हलफनामा पेश किया जिसमें 39 शर्तें थीं, जिसमें शीर्ष अदालत से पीटीआई को इस्लामाबाद में अपना विरोध प्रदर्शन रोकने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति उमर फारूक ने मामले की सुनवाई की, क्योंकि इस्लामाबाद प्रशासन और पीटीआई का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने अपनी-अपनी दलीलें पेश कीं।

न्यायमूर्ति फारूक ने पीटीआई को यह आश्वस्त करने का निर्देश दिया कि रैली के लिए आवंटित स्थान की परवाह किए बिना शांति और सुरक्षा व्यवस्था कायम रखी जाएगी। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा कि नागरिकों को असुविधा न हो, इस बात का ख्याल रखते हुए सड़कें अवरुद्ध नहीं की जाएंगी। न्यायमूर्ति फारूक ने फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा, ''विरोध करना आपका अधिकार है, लेकिन नागरिकों के अधिकारों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।''

इस्लामाबाद प्रशासन की ओर से पेश महाधिवक्ता बैरिस्टर जहांगीर जादून ने कहा कि पीटीआई ने खान द्वारा 25 मई के लंबे मार्च से पहले शीर्ष अदालत को दी गई प्रतिबद्धता का उल्लंघन किया और प्रदर्शनकारियों ने संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और पुलिसकर्मियों को जख्मी किया। जादून ने कहा, ''उन्होंने (पीटीआई) हमेशा नियमों और शर्तों का उल्लंघन किया है, इसलिए हम उन पर भरोसा नहीं करते हैं।''

पीटीआई की ओर से पेश वकील बाबर अवान ने जादून के तर्क को यह कहकर खारिज कर दिया कि 25 मई के विरोध के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है। डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामाबाद प्रशासन ने पीटीआई से एक शपथपत्र मांगा है, जो पार्टी को 39 शर्तों के साथ केवल एक दिन के लिए सभा आयोजित करने की अनुमति देता है। रिपोर्ट के अनुसार, शपथपत्र पर पार्टी प्रमुख खान के हस्ताक्षर की आवश्यकता होगी और रैली में कोई भी हथियार लाने की अनुमति नहीं होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि शपथपत्र के तहत लाउडस्पीकर के इस्तेमाल, धार्मिक बयानबाजी और किसी भी राष्ट्रीय या पार्टी के झंडे को जलाने पर भी प्रतिबंध रहेगा। इस बीच, पीटीआई नेता फवाद चौधरी ने संघीय सरकार की इन शर्तों को हास्यास्पद करार दिया है और कहा है कि वे पार्टी के लिए अस्वीकार्य हैं। उन्होंने कहा, ÷मार्च के लिए सरकार की अधिकांश मांगें हास्यास्पद हैं। हम इसे स्वीकार नहीं करते। जहां तक ??हथियारों का सवाल है, हम नहीं लाएंगे। हमारे साथ परिवार, बच्चे और महिलाएं हैं।'' क्रिकेटर से नेता बने खान जल्दी चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं और वह अपनी मांगों को लेकर इस्लामाबाद की ओर लंबे मार्च का नेतृत्व कर रहे थे। वर्तमान नेशनल असेंबली का कार्यकाल अगस्त 2023 में समाप्त होगा।

## चीन के शांक्शी प्रांत में है दुनिया का सबसे बड़ा एयर प्यूरीफायर, पूरे शहर की हवा को कर देता है शुद्ध

बीजिंग (एजेंसी)।

देश की राजधानी दिल्ली में इन दिनों धुंध और धुएं की परत छाई नजर आ रही है। वायु गुणवत्ता लगातार गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। जिसके लिए हवाओं की धीमी रफ्तार और पंजाब में पराली जलाए जाने के मामले में इजाफे को जिम्मेदार बताया जा रहा है। दिल्ली में खराब आबो-हवा के बीच आपको पड़ोसी मुल्क चीन के बारे में बताते हैं जहां एक ऐसा प्यूरीफायर बनाया गया जो 330 फुट ऊंचा टावर है और जब उसके पंखे चलते हैं तो पूरे शहर की हवा को शुद्ध कर देते हैं। 330 फीट ऊंचा ये एयर प्यूरीफायर चीन के शांक्शी प्रांत में स्थित है।

उत्तरी चीन में 100 मीटर (328 फीट) ऊंचा एक प्रायोगिक टॉवर जिसे इसके ऑपरेटरों द्वारा दुनिया का सबसे बड़ा एयर प्युरीफायर करार दिया गया है। परियोजना का नेतृत्व करने वाले वैज्ञानिक के अनुसार इसके उपयोग से हवा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाया जा सका है। टावर को शानक्सी प्रांत के जियान में बनाया गया है और चीनी विज्ञान अकादमी में पृथ्वी पर्यावरण संस्थान के शोधकर्ताओं द्वारा परीक्षण किया गया है। शोध के प्रमुख, काओ जुंजी ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में शहर में 10 वर्ग किलोमीटर (3.86 वर्ग मील) के क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में सुधार देखा गया है और टावर 10 मिलियन क्यूबिक मीटर से अधिक का उत्पादन करने में कामयाब रहा है। (353 मिलियन क्यूबिक फीट) स्वच्छ हवा की शुरूआत के बाद से एक दिन। काओ ने कहा कि गंभीर रूप से प्रदूषित दिनों में टावर मध्यम स्तर के करीब धुंध को कम करने में सक्षम था।

गौरतलब है कि एक वक्त ऐसा भी था जब शांक्शी प्रांत का झियान शहर बुरी तरह वायु प्रदूषण का शिकार था। लेकिन अब एयर प्यूरिफायर की वजह से हवा साफ हो गई है। दुनिया में इतना बड़ा प्यूरिफायर और कहीं नहीं है। इसे चीन के दिमाग की उपज भी कह सकते हैं, जिसमें पूरे शहर को साफ रखने की क्षमता है। इस शहर की स्थिति इस एयर प्यूरिफायर लगने से पहले ये थी कि शहर का शख्स हवा में 21 सिगरेट के बराबर विषैले तत्व हवा के साथ पी रहा था।

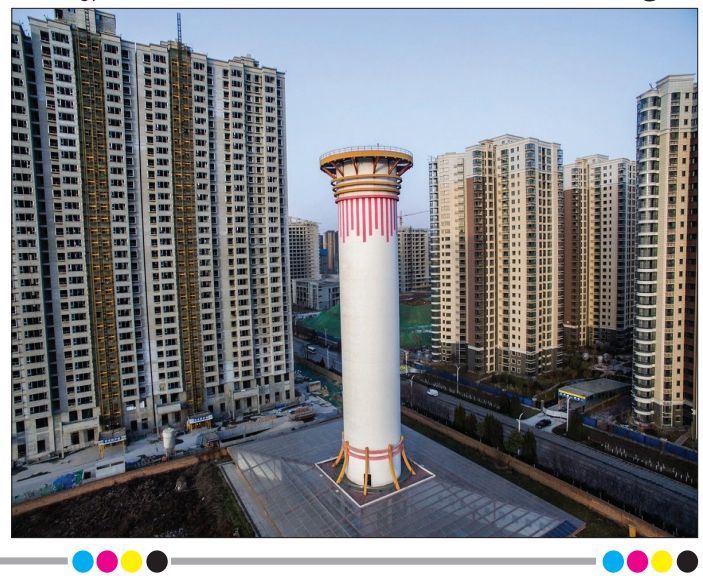

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सार समाचार

### मोरबी दुर्घटना में बड़ी कार्यवाही, नगर पालिका के चीफ ऑफीसर संदीपसिंह झाला सस्पैंड

अहमदाबाद । मोरबी के केबल ब्रिज दुर्घटना में पांच दिन बाद बड़ी कार्यवाही की गई है7 मोरबी नगर पालिका के चीफ ऑफीसर संदीपसिंह झाला को सस्पैंड करदिया गया है। संदीपसिंह झाला को 4 मार्च 2022 को मोरबी नगरपालिका का चीफ ऑफीसर नियुक्त किया गया था और 7 मार्च 2022 को ओरेवा कंपनी के साथ करार हुआ था। बता दें कि गत 30 अक्टूबर की शाम करीब 6.30 बजे मोरबी के मच्छू नदी पर बना केबल ब्रिज टूट गया था। इस हादसे में अब तक 135 लोगों की मौत हो गई थी और कई घायल हो गए थे। इस मामले में ब्रिज संचालक ओरेवा कंपनी के 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें 4 लोग 5 नवंबर तक पुलिस रिमांड पर हैं। दूसरी ओर बीते दिन मोरबी नगर पालिका के चीफ ऑफीसर से पुलिस से पूछताछ की थी। संदीपसिंह झाला ने ओरेवा कंपनी के बारे में कोई जांच किए बगैर है उसे कोन्ट्रेक्ट दे दिया था। ओरेवा कंपनी के साथ केबल ब्रिज को लेकर हुए करार में संदीपसिंह झाला के हस्ताक्षर हैं। इसके बावजूद संदीपसिंह झाला ने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया था। बीते दिन पुलिस ने करीब 4 घंटों तक संदीपसिंह झाला से पूछताछ की थी। दूसरी ओर राज्य के शहरी विकास विभाग ने मोरबी हादसे में बड़ी कार्यवाही करते हुए चीफ ऑफीसर संदीपसिंह झाला को सस्पैंड कर दिया है। सीएम ऑफीस से रिपोर्ट के बाद बीती रात संदीपसिंह को सस्पैंड करने का फैसला किया गया। दूसरी ओर मोरबी में ओरेवा कंपनी और ध्रांगध्रा में देवप्रकाश कंपनी में सर्च ऑपरेशन किया जा रहा है। जिसमें केबल ब्रिज की मरम्मत के वर्ष 2007 और वर्ष 2022 के दस्तावेजों को जब्त किया गया है। ओरेवा कंपनी के मालिक जयसुख पटेल गिरफ्तारी से बचने के लिए गुजरात के बाहर फरार हो गए हैं। जयसुख पटेल का अंतिम लोकेशन हरिद्वार में ट्रेस हुआ है।

### देश में कोरोना उपचाराधीन मरीज घटकर 15,705 हुए

नई दिल्ली । भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,216 नए मामले सामने आने से देश में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,46,58,365 हो गई है, जबकि उपचाराधीन मरीज़ों की संख्या घटकर 15,705 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार भारत में संक्रमण से 18 और मरीज़ों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 5,30,479 हो गई है। इन 18 मरीज़ों में वे 15 लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनर्मिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से जान गंवाने वाले मरीज़ों की सूची में जोड़े हैं। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक भारत में कोरोना संक्रमण के उपचाराधीन मरीज़ों की संख्या 16,098 से घटकर 15,705 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.04 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 393 की कमी दर्ज की गई है। वहीं मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.78 प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के अनुसार देश में अभी तक कुल 4,41,12,181 मरीज़ संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। वहीं राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 219.69 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार हो गए थे। मंत्रालय के मुताबिक, देश में पिछले 24 घंटे में संक्रमण से मौत के जो तीन मामले सामने आए हैं, उनमें महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल के एक-एक मरीज शामिल हैं।

### जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भूस्खलन, तीन घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शुक्रवार को भूस्खलन के बाद एक घर के ऊपर बड़े-बड़े पत्थर गिरने से तीन लोग घायल हो गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उक्त घटना सुबह पांच बजकर 50 मिनट के आसपास डीकेजी रोड पर बफलियाज के दूनेर इलाके में हुई। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना की 48 राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। इस घटना में मोहम्मद लतीफ (40), उनकी पत्नी नसीम अख्तर (35) और एक लड़की घायल हो गई। उन्होंने बताया कि घायलों को सुरनकोट के उप-जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

### राज्यपाल के नोटिस पर जवाब देने के लिए केरल हाईकोर्ट ने 7 नवंबर तक किया कुलपतियों को समय

तिरुवनंतपुरम। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद के जारी कारण बताओ नोटिस पर कुलपतियों के जवाब देने की अवधि को बढ़ाकर केरल हाईकोर्ट ने 7 नवंबर कर दिया है। कुलपतियों से नोटिस में पूछा गया है कि उन्हें उनके पद पर क्यों बने रहने देना चाहिए, जबकि सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के अनुसार उनकी नियुक्तियां अवैध हैं। राज्यपाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता जाजू बाबू ने कहा कि न्यायमूर्ति देवान रामचंद्रन ने कारण बताओ नोटिस पर रोक लगाए बिना ही उन्हें अपनी आपत्तियां दाखिल करने के लिए समय दे दिया। कोर्ट ने कुलपतियों की याचिका को सूचीबद्ध कर लिया है जिस पर 8 नवंबर को सुनवाई होगी। याचिका में राज्यपाल की ओर से भेजे गये नोटिस के अवैध होने का दावा किया गया है। इसके पहले राज्यपाल ने नयी दिल्ली में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि राजभवन ने कुलपतियों को सूचित किया है कि उनके जवाब देने की अवधि और व्यक्तिगत सुनवाई के अनुरोध को 7 नवंबर तक विस्तारित कर दिया गया है। विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में खान ने 11 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्हें जवाब देने के लिए तीन-चार नवंबर तक का समय दिया गया था। राजभवन सूत्रों ने बताया कि अब तक केवल केरल विवि, केरल मत्स्य विवि और महासागर अध्ययन (केयूएफओएस) के कुलपतियों का जवाब मिला है। उच्चतम न्यायालय ने 21 अक्टूबर को एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति की नियुक्ति को रद्द कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा था कि यूजीसी के अनुसार राज्य द्वारा गठित खोज समिति को अभियांत्रिकी विज्ञान के क्षेत्र के कम से कम 3 उपयुक्त लोगों के पैनल की सिफारिश राज्यपाल से करनी चाहिए थी, लेकिन केवल एक ही नाम भेजा गया था। इसी फैसले के आलोक में खान ने उन कुलपतियों से इस्तीफा देने की अपील की थी, जिनके अकेले नाम की सिफारिश कुलपति पद के लिए की गई है। इसके अलावा उन कुलपतियों से भी इस्तीफा मांगा गया जिनके नाम का चयन उस समिति द्वारा किया गया था जिनमें राज्य के प्रमुख सचिव सदस्य होते हैं।

### 7, 8 को मास्को जाएंगे विदेश मंत्री जयशंकर, विदेश मंत्री लावरोव, डिप्टी पीएम मंटुरोव से करेंगे चर्चा

नई दिल्ली । विदेश मंत्री एस जयशंकर अगले सप्ताह 7 और 8 नवंबर को दो दिवसीय मास्को यात्रा पर जाने वाले हैं। इस दौरान भारत और रूस के बीच विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर प्रमुखता से बातचीत होगी। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर की यह रूस यात्रा ऐसे समय पर हो रही है, जब रूस और यूक्रेन संघर्ष निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिखाई दे रहा है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जयशंकर 7 और 8 नवंबर को रूस का दौरा करेंगे तथा रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और उप प्रधानमंत्री एवं व्यापार और उद्योग मंत्री डेनिस मंटुरोव से बातचीत करेंगे। रूस ने पिछले हफ्ते जयशंकर की यात्रा की घोषणा की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात करेंगे। चर्चा के दौरान दोनों देशों के द्विपक्षीय मुद्दों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर पर भी विचार विमर्श किया जाएगा। बागची ने कहा कि जयशंकर-मंटुरोव की बातचीत में द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग से जुड़े मुद्दों को उठाया जाएगा। अरिंदम बागची ने कहा विदेश मंत्री एस जयशंकर व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के अपने समकक्ष रूस के उप प्रधानमंत्री और व्यापार एवं उद्योग मंत्री डेनिस मंटुरोव से भी मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। अरिंदम बागची ने कहा कि यह यात्रा दोनों पक्षों के बीच नियमित उच्च स्तरीय वार्ता के क्रम में होगी। यह पूछे जाने पर कि रूस काला सागर गलियारे के माध्यम से यूक्रेन से अनाज के निर्यात की अनुमति देने के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित समझौते में फिर से शामिल होने के लिए सहमत है, बागची ने सीधा जवाब नहीं दिया, लेकिन कहा कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा चुनौती को दूर करने के लिए कोई भी प्रयास स्वागत योग्य कदम है। बागची ने कहा हम उर्वरकों, खाद्य और ऊर्जा की उच्च कीमतों के प्रभाव के बारे में दुनिया भर के देशों के, विशेष रूप से विकासशील दुनिया के प्रभावित होने के बारे में बात कर रहे हैं और ऐसा कोई भी कदम जो उपलब्धता बढ़ाने और भोजन की लागत को कम करने की प्रक्रिया में मदद करता है, एक स्वागत योग्य घटनाक्रम है।

विपक्ष पर नड्डा का निशाना, बोले-

# हम मिशन से काम करते हैं, वो कमीशन के लिए काम करते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार लगातार जारी है। इन सबके बीच भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज हिमाचल प्रदेश के धर्मपुर में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने राज्य की जयराम ठाकुर सरकार और केंद्र की मोदी सरकार के कामकाज की जमकर सराहना की। अपने बयान में उन्होंने कहा कि आज दुनिया में नरेंद्र मोदी जी के कारण देश की तस्वीर बदल गई है। उन्होंने दावा किया कि आज मोबाइल उत्पादन में भारत दूसरे नंबर पर है, स्टील उत्पादन में भारत दूसरे नंबर पर है, सौर ऊर्जा में हम पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ब्रिटेन को पछाड़ कर भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अटल जी ने हिमाचल इकोनॉमिक पैकेज दिया, लेकिन 7 साल में कांग्रेस ने छीन लिया ?और कहा कि हरियाणा, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में ?हमारी सरकार है तो हिमाचल को हम अकेले नहीं दे सकते। आज न तो हरियाणा में कांग्रेस की सरकार है और न ही हिमाचल और पंजाब में। उन्होंने कहा कि आज हिमाचल प्रदेश को बल्क ड्रग पार्क मिल रहा है। आने वाले समय में फार्मा में हिमाचल प्रदेश का बल्क ड्रग पार्क दुनिया के नक्शे पर देखा जाएगा। यही नहीं, यहां मेडिकल डिवाइस पार्क के साथ-साथ विकास के कई कार्य किए जा रहे हैं। नड्डा ने कहा कि एक जमाने में हमारी बहनें 5 बजे सुबह उठकर जंगल में जाकर लकड़ी काटती थीं। फिर उसे लाकर सुखाती थी, 200 सिगरेट का धुआं फेफड़ों में लेकर चूल्हा जलाती थीं।

अपने गृह राज्य में भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी ने उज्जवला योजना के तहत घर-घर में गैस सिलेंडर पहुंचाया। इस तरह से महिलाओं का सशक्तिकरण किया गया। उन्होंने कहा कि हम सेवा करने वाले लोग हैं और वो मेवा खाने वाले लोग हैं। हम मिशन से काम करते हैं, वो कमीशन के लिए काम करते हैं। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वो सत्ता में सेवा करने के लिए नहीं, बल्कि इसलिए आना चाह रहे हैं, क्योंकि बहुत दिन से बेरोजगार बैठे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश में ट्यूबरक्लोसिस की दवा आने में 25 साल लग गए। टिटनेस की दवा पहुंचने में 30 साल लग गए। पोलियो की दवा पहुंचने में 28 साल लग गए। जापानी बुखार की दवा पहुंचने में 100 साल लग गए। जबकि मोदी जी के नेतृत्व में सिर्फ 9 महीने के अंदर कोरोना की वैक्सीन भारत ने बनाई।

# भारत जोड़ो यात्रा से ब्रेक लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी आएंगे गुजरात

अहमदाबाद (एजेंसी)।

गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद भाजपा, कांग्रेस और आप समेत राजनीतिक दल एक्शन में आ गए हैं और प्रचार-प्रसार समेत उम्मीदवारों को लेकर मंथन कर रहे हैं। हांलाकि आप ने गुजरात के कुल 182 विधानसभा सीटों में से 118 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। जबकि भाजपा और कांग्रेस समेत अन्य राजनीतिक दल उम्मीदवारों के नामों पर मंथन कर रहे हैं। इस बीच जानकारी मिली है कि भारत जोड़ो यात्रा से ब्रेक लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुजरात में चुनाव प्रचार के लिए आएंगे। हिमाचल प्रदेश के मतदान के बाद प्रियंका गांधी भी गुजरात आएंगे। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के गुजरात कार्यक्रमों की जल्द ही घोषणा किए जाने की संभावना है। गुजरात कांग्रेस ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को चुनाव प्रचार के लिए आमंत्रित किया था। जिसे लेकर कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा से समय निकालकर राहुल गांधी गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर आएंगे। मध्य गुजरात के वडोदरा में राहुल गांधी की एक सभा का आयोजन किया गया है। गौरतलब है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी 150 दिन की भारत जोड़ो यात्रा पर निकले हैं। दक्षिण भारत के केरल से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा उत्तर भारत में पूर्ण होगी। इस यात्रा से ब्रेक लेकर राहुल गांधी गुजरात आएंगे। जबकि प्रियंका गांधी हिमाचल प्रदेश विधानसभा के लिए मतदान खत्म होने के बाद गुजरात आएंगी। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने पत्रकार परिषद में गुजरात चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया था। राहुल गांधी ने कहा था कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत होगी।

# जयंत पाटिल ने कहा कि शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार महाराष्ट्र के बजाय 'गुजरात की सेवा' के लिए बनी

मुंबई (एजेंसी)।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता जयंत पाटिल ने बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं को गंवाने के लिए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा और उस पर 'गुजरात की सेवा' करने का आरोप लगाया। पुलिस भर्ती को फिर से शुरू करने की मांग को लेकर यहां राकांपा द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में पाटिल ने यह भी कहा कि टाटा जैसे समूह द्वारा अपनी परियोजना के लिए दूसरे राज्य को चुनना सरकार के लिए शर्मिंदगी की बात है।

पाटिल ने कहा, ''परियोजनाओं को गुजरात में स्थानांतरित किया जा रहा है और मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री मूकदर्शक बने हुए हैं। अगर वेदांता-फॉक्सकॉन परियोजना राज्य में आती, तो इससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से तीन से चार लाख रोजगार पैदा होते।'' महाराष्ट्र के पूर्व वित्त मंत्री पाटिल ने कहा कि वेदांता-फॉक्सकॉन के बाद, टाटा कंसोर्टियम और एयरबस की सैन्य विमान परियोजना भी गुजरात चली गई। राकांपा नेता ने आगे दावा किया, ''राज्य में नयी सरकार लाने की साजिश रची गई ताकि (नयी) सरकार महाराष्ट्र से ज्यादा गुजरात की सेवा करे।'' इस साल जून में शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस की महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार गिरने के बाद शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में आई थी। पाटिल ने राज्य सरकार पर पूर्ववर्ती एमवीए सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न करने का भी आरोप लगाया। राकांपा नेता ने आरोप लगाया, ''हमने पुलिस भर्ती का निर्णय लिया था और वर्तमान सरकार को केवल इसे लागू करने की जरूरत है, लेकिन वे बाधाएं पैदा कर रहे हैं।'' उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' के पहले पन्ने पर राज्य सरकार के एक विज्ञापन के प्रकाशन को लेकर पाटिल ने कहा कि कोई भी अखबार किसी विज्ञापन को मना नहीं करेगा। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि अखबार के अंदर क्या प्रकाशित किया गया है, उसे भी पढ़ना चाहिए। शिंदे नीत सरकार द्वारा राज्य में मामलों की जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के लिए आम सहमति बहाल करने के बारे में (जिसे पूर्ववर्ती एमवीए सरकार ने वापस ले लिया था), पाटिल ने कहा कि राज्य पुलिस किसी भी मामले की जांच करने में सक्षम है।

# जल्द हो सकती है मुख्यमंत्री सोरेन की गिरफ्तारी

**रांची** । झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा ईडी के सामने पेश नहीं होने, और गिरफ्तार करने की बात कहने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बयान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित केंद्रीय सतर्कता जागरूकता सप्ताह की बैठक में, भ्रष्टाचार रोधी एजेंसियों को बेहिचक कार्रवाई करने की खुली छूट दी है।

प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि जांच एजेंसियों को रक्षात्मक होने की जरूरत नहीं है। वह अपना काम बिना किसी डर और दबाव के करें। उन्होंने कहा कि सीवीसी जैसे संगठनों को भ्रष्टाचारियों से डरने की कोई जरूरत नहीं है।

प्रधानमंत्री की सार्वजनिक मंच से इस घोषणा के बाद यह माना जा रहा है। हेमंत सोरेन ने जिस तरीके से ईडी को चुनौती दी है। उस पर प्रधानमंत्री ने अपनी तीव्र प्रतिक्रिया जाहिर की है। इसके बाद राजनीतिक हल्कों में उनकी गिरफ्तारी तय मानी जा रही है।

# प्रशांत किशोर ने कहा कि आरजेडी बिहार के मुसलमानों के साथ बंधुआ मजदूर की तरह व्यवहार करता



नई दिल्ली (एजेंसी)।

राजनीतिक रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर ने बिहार की ''महागठबंधन'' सरकार में शामिल सबसे बड़ी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर बृहस्पतिवार को निशाना साधते आरोप लगसया कि वह प्रदेश के मुसलमानों के साथ ''बंधुआ मजदूर'' जैसा व्यवहार करती है। अपनी जनसुराज पदयात्रा के दौरान पश्चिम चंपारण जिले के पुपरहिया गांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए किशोर ने राजद पर अल्पसंखकों के तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि ''आपको इन लोगों ने बंधुआ मजदुर बना लिया है। आप अपने बच्चों के भविष्य की चिंता किए बगैर एक ही पार्टी के लिए वोट कर रहे हैं। सब कुछ गवां कर भी आप उनको वोट कर रहे हैं, आपको क्या मिला।'' उन्होंने कहा, ''महागठबंधन अभी बना है, जब नीतीश भाजपा (भारतीय जनता पार्टी)के साथ थे तो भाजपा के दो उपमुख्यमंत्री थे, विधायक 75 थे। राजद के पास 77 विधायक हैं फिर भी दूसरा उपमुख्यमंत्री नहीं बना।'' किशोर ने कहा कि ''राजद के दो ही पैर हैं एम (मुस्लिम) और वाई (यादव)। दूसरा उपमुख्यमंत्री बनेगा तो लोग कहेंगे कि 'एम' को बनाओ। उनको भी पता है आप कहां जाएंगे , भाजपा से लड़ाई है रो कर भी आपको उन्हें ही वोट देना पड़ेगा।'' किशोर जो अपने गृह राज्य की 3500 किलोमीटर लंबी पदयात्रा पर हैं। इस यात्रा के बाद उन्हें अपने जन सुराज अभियान के एक पूर्ण राजनीतिक दल के रूप में विकसित होने की उम्मीद है, को राजद द्वारा भाजपा द्वारा ''वित्त पोषित'' होने का आरोप लगाया जाता रहा है। आईपैक कंपनी के संस्थापक और चुनाव प्रचार प्रबंधक के रूप में ख्याति प्राप्त करने वाले किशोर ने कहा कि वे पिछले कई वर्षों से भाजपा से लड़ रहे हैं और ये लोग मुझे भाजपा का 'बी टीम' बता रहे हैं।

# दिल्ली प्रदूषण पर शीघ्र सुनवाई को तैयार सुप्रीम कोर्ट, 10 नवंबर को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली।(एजेंसी)।

दिल्ली में खतरनाक हो रहे प्रदूषण की समस्या पर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट जल्द सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। सुप्रीम कोर्ट इस पर 10 नवंबर को सुनवाई करेगा। इस दौरान सीजेआई ने कहा कि हमें लगता है कि इसमें हमें हस्तक्षेप करने की जरूरत है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि राज्यों के मुख्य सचिव को तलब किया जाए। दरअसल, दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई है, जिसमें प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज के नेतृत्व मे हाईलेबल कमेटी बनाने की मांग की गई है। इस याचिका में केन्द्र सरकार दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और यूपी सरकार को पार्टी बनाया गया है।

इतना ही नहीं, याचिकाकर्ता ने प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट के दिए आदेश का पालन ना करने को लेकर राज्यों के मुख्य सचिव को तलब करने की मांग की है। साथ ही याचिका में स्कूलों और ऑफिस को वर्चुअल करने की मांग की गई है और स्मॉग टॉवर बढ़ाने और दिल्ली में प्रदूषण को खत्म करने के लिए तुरंत कदम उठाने की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट के वकील शशांक शेखर झा ने याचिका दाखिल कर इस मामले में तुरंत सुनवाई की मांग की थी, जिस पर गंभीरता दिखाते हुए सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार हो गया। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली प्रदूषण के मुद्दे पर अब 10 नवंबर को सुनवाई करेगा। याचिकार्ता ने कहा कि रोज बड़े पैमाने पर पंजाब में पराली जलाई जा रही है। स्थिति काफी खराब हो गई है।

# प. बंगाल काफिले पर हमले से भड़के केंद्रीय मंत्री प्रमाणिक, कहा उन्हें भी भुगतना होगा इसका खामियाजा

कोलकाता (एजेंसी)।

केंद्रीय गृहराज्य मंत्री निशीथ प्रमाणिक के काफिले पर प. बंगाल में हमला किया गया. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि प्रमाणिक उस समय बाल-बाल बच गए, जब उनके काफिले पर कूचबिहार जिले के सीताई इलाके के गोसानीमारी में कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया. भजपा ने दावा किया है कि पथराव तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ताओं ने किया, हालांकि टीएमसी ने इस आरोप से इनकार किया है.

प्रमाणिक ने हमले को लेकर कहा कि 'अगर वे मुझ पर हमला करते हैं, तो हम उन पर फूल नहीं बरसाएंगे. मुझ पर हमला हुआ तो अंजाम भुगतना पड़ेगा. साथ ही हमारे कार्यकर्ता मेरे लिए परिवार की तरह हैं. मैं उनसे मिलने आया हूं जिन पर तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने हमला किया है. भाजपा नेता ने दावा किया कि घटना में पार्टी के कुछ कार्यकर्ता घायल हुए हैं. वहीं, पुलिस ने इस घटना को लेकर कहा कि काफिले में शामिल लोगों और जो काले झंडे लेकर प्रदर्शन करने आए थे उनके बीच मामूली हाथापाई हुई है. हाथापाई तब हुई जब काफिला सीताई थाना क्षेत्र से गुजर रहा था. हाथापाई के दौरान कुछ मोटरसाइकिलें क्षतिग्रस्त हो गई हैं.

कूच बिहार के एसपी सुमित कुमार ने कहा कि घटना के बाद अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया और स्थिति को नियंत्रण में ले लिया. फिलहाल हमने किसी को गिरफ्तार नहीं किया है. पुलिस ने बताया कि प्रमाणिक के काफिले में 20 वाहन थे और मोटरसाइकिलों पर करीब 200 लोग उनके साथ चल रहे थे. उन्होंने बताया कि हाथापाई तब हुई जब कूचबिहार के सांसद प्रमाणिक को करीब 5 लोगों ने काले झंडे दिखाने की कोशिश की. सूत्रों ने कहा टीएमसी कार्यकर्ताओं ने प्रमाणिक के काफिले के आगे एक वाहन को रोक दिया. इसके चलते भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच पथराव हो गया.

# बीजेपी ने दिल्ली सरकार पर लगाया करोड़ो रुपए के घोटाले का आरोप, कहा- 65 हजार ऐसे मजदूर, जिनका मोबाइल नम्बर एक ही

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार पर घोटाले का आरोप लगाया है। बीजेपी के पार्टी हेडक्वाटर में मनोज तिवारी, संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि दिल्ली की लेबर मिनिस्ट्री में घोटाला हुआ है। संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि साल 2006 से अब तक 13 लाख से अधिक वर्कर्स की रजिस्ट्री हुई है। इसमें घोस्ट रजिस्ट्री की गई है। संबित पात्रा ने कहा कि केजरीवाल सरकार के दौरान फर्जीवाड़ा कर 2018 से 2021 के बीच में करीब 10 लाख कंस्ट्रक्शन वर्कर्स का रजिस्ट्रेशन हुआ है। जिसमें करीब 2 लाख फर्जी रजिस्ट्रेशन करवाया गया है और इनके नाम पर पैसा उठाया जा रहा है। मनीष सिसोदिया के नेतृत्व में गठित बोर्ड के पास इस साल के लिए कोष कोष के रूप में 3,000 करोड़ रुपये हैं। यह मोटी रकम घोटाले में डूबी फर्जी संस्थाओं में बांट दी जाएगी।

संबित पात्रा ने कहा कि आप के तहत की गई रजिस्ट्रियां गंभीर रूप से शरारती हैं। करोड़ों रुपये का घोटाला हुआ है। उम्मीदवार वास्तविक संस्था नहीं हैं, लेकिन भूत रजिस्ट्रियों के साथ परदे के पीछे हैं। आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की नियत में ही खोट है। अभी कुछ दिन पहले दिल्ली में एक्साइज प्रदूषण हुआ था। इसके बाद सुकेश चंद्रशेखर नामक ठग से आम आदमी पार्टी ने ठग लिया था। इसी बीच आज श्रमिकों के ऊपर हुए सबसे बड़े करप्शन का आज खुलासा हुआ है।

मनोज तिवारी ने कहा कि जो व्यक्ति इतने सारे लोक लुभावन वादे कर मजदूरों का हक छीन सकता है, वह दिल्ली का कितना बड़ा शत्रु है, यह बताने की जरूरत नहीं है। इससे पहले भी आम आदमी पार्टी ने मजदूरों के




फंड से 143 करोड़ का घोटाला किया था और पार्टी के काम में लगा दिया ?था। जो व्यक्ति अपने प्रदेश को प्रदूषण में घुटता छोड़ सकता है, बस 2 घंटे के ?लिए प्रेस वार्ता करने के लिए आता है, वह दिल्ली की चिंता नहीं कर रहा है, वह बस चुनावी दौरे पर है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

### दीपावली की छुट्टियों में सामने आया सचिन का सरकारी खाद्यान्न घोटाला

# तस्करों और चोरों ने मिलकर गोदामों से लगभग 673 मीट्रिक टन अनाज बेचा

**मुख्य सूत्रधार 'शाह' के साथ अरविंद राजपूत और राकेश राजपूत के भी बड़े काले बाजार में शामिल होने का शक है।**

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

दीवाली की छुट्टियों के दौरान सूरत के सचिन क्षेत्र स्थित सरकारी अनाज गोदाम से अनाज की तस्करी का मामला प्रकाश में आया। सिस्टम द्वारा ६ ट्रकों में काटे गए १०,००० गेहूं-चावल और छोले में तेजी आई। इस घटना के बाद जिलाधिकारी हरकत में आए और जांच के आदेश जारी किए. गांधीनगर से भी एक टीम सचिन के पास पहुंची और स्थानीय टीम के साथ लगातार तीन-चार दिनों तक ग्राउंड फ्लोर की जांच की जिसमें तस्करों और चोरों द्वारा करीब ६७३ मीट्रिक टन अनाज बेचे जाने की बात सामने आ रही है. इस पूरे अध्याय में कई दुकानदार भी कानून की चपेट में आएंगे।

सचिन के सरकारी अनाज गोदाम से बड़े पैमाने पर अनाज की तस्करी और उसके व्यापार और नकदी का मामला सामने आया है. पूरे अध्याय में 'शाह' उपनाम वाले एक व्यक्ति का नाम बार-बार मुख्य व्यक्ति के रूप में सामने आ रहा है, जबकि राकेश राजपूत और अरविंद राजपूत, जो दक्षिण गुजरात में विभिन्न सरकारी अनाज गोदामों से दुकानों में अनाज ले जाते हैं, वे भी विशेष चर्च में हैं। . अनाज की कालाबाजारी में राजपूत बंधुओं के शामिल होने की प्रबल आशंका है और आने वाले दिनों में राजपूत भाइयों सहित खरीददारों की भीड़ उमड़ पड़ेगी। इसके अलावा कई दुकानदार भी कानून की चपेट में आएंगे।

**सामने आया मामला**

राय ने एक लाल आंखों वाली जांच शुरू की जिसमें अनुमानित ६७३ मीट्रिक टन अनाज के गरीबों के हिस्से को लूट लिया गया और तस्करों और चोरों के गिरोह द्वारा भुनाया गया। जानकारी के अनुसार, जांच आपूर्ति टीम ने जांच कर रिपोर्ट सचिन थाने को सौंप दी है जिसमें

सचिन गोदाम में आय-बहिष्कार स्टॉक के अनुसार कौन और किस अवधि के दौरान और कब से घोटाला हुआ है, इसका पूरा विवरण दिया गया है. स्टॉक में होने वाली घटनाओं को रिपोर्ट में लिखकर पुलिस को दिया गया है अब आने वाले दिनों में सूरत के जिला कलेक्टर से फाइनल रिपोर्ट प्राप्त होगी और उसके अनुसार चोरों के गिरोह के खिलाफ अपराध दर्ज करने की कार्रवाई पुलिस द्वारा की जाएगी.

जानकार लोगों का कहना है कि पिछले डेढ़ से दो साल के भीतर एक बड़ी चोरी हो सकती है क्योंकि सरकारी अनाज का गोदाम सचिन स्टेशन के पास बाजार के पास स्थित है और दिन में कई ट्रक गुजरते दिखाई देते हैं। सचिन थाना क्षेत्र इस बात को लेकर जोर-शोर से गूंज रहा है कि अगर एक ट्रक को दूसरी दिशा में मोड़ दिया गया तो एक साथ

निकल रहे पांच ट्रकों का हाल किसी को पता भी नहीं चलेगा. चर्चा है कि अरविंद राजपूत ने अपने सहयोगी राकेश राजपूत के साथ मिलकर पूरे प्रकरण में अपनी गंदी भूमिका निभाई और मासूम भूखे गरीब परिवारों का अनाज लूट लिया। राजपूत समूह के एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर कहा

स्थानीय पीआई अगर अरविंद राजपूत को अपने वरिष्ठों के भरोसे में लेते हैं तो पूरे कांड में किसका हाथ है इसका पूरा खुलासा हो जाएगा. दूसरी ओर, ऐसी भी अफवाहें हैं कि राकेश राजपूत ने भी दो ऐसे कार्यों में अपना काम प्रकाशित किया है।

लोग इंतजार कर रहे हैं कि सरकार अपराधियों के खिलाफ कितनी तेजी से कार्रवाई करती है ।

# टेटू शॉप में अकेला पाकर युवती से किया बलात्कार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत उधना हरिनगर की दुकान में टेटू बनाना सीखने के लिए जाने वाली 19 वर्षीय युवती को एक युवक ने अकेला पाकर अपनी हवस का शिकार बना डाला। घटना के छह दिनों बाद मामला सामने आने पर उधना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक उधना धर्मवीर सोसायटी निवासी आकाश (22) ने 19 वर्षीय युवती के साथ बलात्कार किया। युवती उधना हरिनगर के प्लॉट नम्बर 168 में स्थित टेटू शॉप में टेटू बनाना सीखने के लिए जाती थी।

उसी शॉप में आकाश भी टेटू बनाना सीखने के लिए आता था। गत 29 अक्टूबर को टेटू शॉप का संचालक किसी काम से बाहर गया था।

उस दौरान शॉप में उसे अकेला पाकर आकाश ने उसके साथ जबरदस्ती की। बदनामी के डर से पीड़ित युवती ने इस बारे में किसी को कुछ नहीं बताया लेकिन घटना के बाद से वह गुमसुम रहती थी। उसने टेटू शॉप पर जाना भी बंद कर दिया।

परिजनों को संदेह हुआ तो उन्होंने उसे भरोसे में लेकर इस बारे में पूछताछ की। इस पर उसने आकाश की करतूत के बारे में बताया। परिजन उसे शुक्रवार को उधना थाने ले गए।

पुलिस ने तुरंत प्राथमिकी दर्ज की और आकाश को गिरफ्तार कर लिया। आकाश उत्तरप्रदेश के आगरा का मूल निवासी है तथा यहां किराए के कमरे में रहता था। उससे पूछताछ की जा रही है।

# ग्रे कारोबारी के साथ 24.47 लाख की धोखाधड़ी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. शिवकृपा टेक्सटाइल मार्केट के एक ग्रे व्यापारी के साथ एक दलाल समेत दो जनों ने 24.47 लाख रुपए की धोखाधड़ी की। इस संबंध में पीड़ित की शिकायत पर सलाबतपुरा पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक रिंग रोड स्थित अरिहंत मार्केट में शिवा टेक्सटाइल के नाम से कारोबार करने वाले मयूर शेखड़ा ने दलाल साहिल सेठ के साथ मिल कर भटार मेघ मल्हार अपार्टमेंट निवासी आकाश के साथ धोखा किया।

दोनों ने शिवकृपा मार्केट में श्रेष्ठ इम्पेक्स के नाम से ग्रे कपड़े का कारोबार करने वाले आकाश को विश्वास में लेकर उससे ग्रे कपड़ा उधार लिया। समय पर भुगतान नहीं कर धोखा किया।

पैमेंट मांगने पर मोबाइल बंद कर गायब हो गए। इस पर आकाश ने पुलिस से संपर्क साधा।

# ओंकारेश्वर बांध के पास नाव पलट जाने से लिंबायत के माँ-बेटे की हुई मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में एक के बाद एक हो रहे हादसों ने कोहराम मचा रखा है. मोरबी के पुल हादसे के बाद अब सूरत से श्रद्धालुओं से भरी एक नाव गुरुवार शाम करीब 5 बजे यात्राधाम ओंकारेश्वर स्थित ओंकारेश्वर बांध के पास पलट गई. इस दर्दनाक हादसे में लिम्बायत के एक मां-बेटे की मौत हो गई। इस पुरे मामले में नाव संचालक तीर्थयात्रियों की जान से खेल रहे हैं।

**तीर्थयात्रियों की जान से खेल रहे हैं नाव चालक**

आपको बता दें कि प्रतिबंधित क्षेत्रों में नावें प्रतिबंधित हैं, लेकिन पैसे के लालची नाविक तीर्थयात्रियों को खतरनाक जगहों पर ले जा रहे हैं, जो घातक साबित हो रहा है। कार्तिक का महीना होने से ओंकारेश्वर में तीर्थयात्रियों की भीड़ होती है। गुजरात से आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या सबसे ज्यादा है। बताया जा रहा है कि गुजरात के अलग-अलग जिलों से रोजाना हजारों की संख्या में लोग ओंकारेश्वर आ रहे हैं.

**इस तरह हुई दुर्घटना** इसी बीच तीर्थयात्रियों का एक दल गुरुवार को सूरत से ओंकारेश्वर आया था। इसी एक दल में सूरत निवासी 31 वर्षीय दर्शना बेन, 6 वर्षीय पुत्र नक्श व उसका परिवार शामिल है। शाम को सभी नाव पर सवार थे। शाम करीब चार बजे नाविक तीर्थयात्रियों से भरी नाव को सूरत से ओंकारेश्वर बांध गया। यहां टरबाइन से पानी तेज गति से गिर रहा था। नाविक लोगों की जान की परवाह किए बिना नाव को तेज धारा की ओर ले गया। यहां जाते समय अचानक श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई।

**माँ-बेटे की हुई मौत, बाकि सब सुरक्षित** घटना की सूचना मिलते ही मांधाता थाना पुलिस का काफिला मौके पर पहुंच गया. सभी ने गोताखोरों की मदद से नर्मदा नदी में डूब रहे तीर्थयात्रियों को बचाने की पूरी कोशिश की. मांधाता थाना प्रभारी बलराम सिंह राठौर ने बताया कि नाव पर 11 से 12 लोग सवार थे. नाव पलटने पर दर्शना और नक्ष उसके नीचे दब गए। जिससे दोनों की मौत हो गई। शाम साढ़े सात बजे दोनों शवों को बाहर निकाला गया। इसके अलावा बाकी सभी लोगों को बचा लिया गया। सभी ओंकारेश्वर मंदिर के दर्शन करने पहुंचे। दर्शन करने के बाद वे नाव पर बैठकर नर्मदा की परिक्रमा करते हुए घाट पर वापस आये।

### नाबालिक को देह-व्यापार में धकेलने वाले मामले में पुलिस ने आरोपी रुबीना और पनाह देने वाले सामाजिक कार्यकर्त्ता को हिरासत में लिया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लिंबायत के नाबालिगों को देह व्यापार के लिए मजबूर करने के मामले में पुलिस ने चौकबाजार के लोक समस्या निदान केंद्र के अब्दुल समद ईमान अली शेख को गिरफ्तार किया है। 15 साल की नाबालिग का यौन शोषण करने वाले शख्स की रखैल रुबीना ने बाद में नाबालिग को 30 से ज्यादा लोगों को बेच दिया। रुबीना पर आरोप होने के बावजूद अब्दुलसमद ने उसे अपने ऑफिस में पनाह देकर भागने में मदद की और पुलिस ने सामाजिक कार्यकर्ता और रुबीना के बेटे को भी गिरफ्तार कर लिया।

**सगीरा के भाई के जेल में होने का फायदा रुबीना ने उठाया** मामले में जानकारी के अनुसार 15 साल की प्रिया (बदला हुआ नाम) यूपी की रहने वाली है और लिंबायत में रहती है। प्रिया का भाई किसी जुर्म में जेल में था और वह रुबीना के घर पर रह रही थी। रुबीना के पति सोहेल ने प्रिया के घर में अकेलेपन का फायदा उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके बाद सोहेल ने मोबाइल फोन में अश्लील फोटो खींचकर प्रिया को ब्लैकमेल किया और बार-बार प्रिया के साथ दुष्कर्म किया। लिंबायत पुलिस ने सोहेल उर्फ गुंडे के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

**रुबीना के बेटे शब्बीर ने की मदद** सगीरा से पूछताछ करने पर पता चला कि बलात्कारी सोहेल उर्फ गुंडे की पत्नी रुबीना ने उसे देह व्यापार में धकेल दिया था। पुलिस ने रुबीना को तब गिरफ्तार किया जब इस बात का खुलासा हुआ कि रुबीना ने पैसों के लिए पीड़िता को पिछले चार महीनों में 35-40 लोगों के पास भेजा था। लिंबायत पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए वह अपने 20 वर्षीय बेटे शब्बीर इशाक पठान के साथ अलग-अलग जगहों पर छिपी हुई थी। इंस्पेक्टर वी जोगराना नेउसको हिरासत में ले लिया। उसकी गिरफ्तारी के बाद, लिंबायत पुलिस ने एक सहयोगी के रूप में चौकबाजार राजोवरा के एक सामाजिक कार्यकर्ता और एक सार्वजनिक समस्या निदान केंद्र संचालक अब्दुलसमद इमानाली शेख को भी गिरफ्तार किया। ऐसा इसलिए क्योंकि रूबीना के एक आरोपी के रूप में वांछित होने के बावजूद अब्दुल ने उसे आश्रय दिया गया था।

# वीर नर्मद विवि की एलएलबी सेमेस्टर 3 व 5 की परीक्षाएं चुनाव के बाद कराने का फैसला

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नर्मद विश्वविद्यालय द्वारा एलएलबी सेमेस्टर -3 और सेमेस्टर -5 परीक्षा विधानसभा चुनाव के कारण आगे बढ़ाने की मांग की गई है। नई समय सारिणी भी घोषित कर दी गई है।

गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर छात्र जागरूकता फैलाने जा रहे हैं, ऐसे में छात्रों ने चुनाव के बाद परीक्षा देने का प्रस्ताव रखा है।

**गुजरात चुनाव के कारण विश्वविद्यालय परीक्षा बढ़ा दी गई थी**

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय एलएलबी सेमेस्टर थ्री और सेमेस्टर फाइव परीक्षा 14 नवंबर, 2022 से 18 नवंबर, 2022 तक आयोजित की जानी थी। लेकिन विश्वविद्यालय ने परीक्षा बढ़ा दी है।

विश्वविद्यालय ने यह फैसला आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए लिया है। चुनाव संपन्न होने के बाद एलएलबी सेमेस्टर 3 और 5 की परीक्षा आयोजित करने के नए कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है।

**छात्रों की प्रस्तुति के बाद लिया फैसला** दक्षिण गुजरात वीर नर्मद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. परीक्षा को आगे बढ़ाने के संबंध में। किशोर सिंह चावड़ा ने कहा कि छात्रों ने एक आवेदन पत्र प्रस्तुत किया था कि वे गुजरात विधानसभा चुनाव के संबंध में मतदान जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने जा रहे हैं, इसलिए यह मांग की गई कि चुनाव के बाद परीक्षा आयोजित की जाए.

जिसके चलते परीक्षा को आगे बढ़ा दिया गया है।एलएलबी सेमेस्टर थ्री और सेमेस्टर फाइव परीक्षा का नया शेड्यूल घोषित कर दिया गया है। जिसके अनुसार परीक्षा 12 दिसंबर, 2022 से 16 दिसंबर, 2022 तक आयोजित की जाएगी।

# महिला-पुरुष वोटर बराबर लेकिन गुजरात की राजनीति में महिलाओं का दबदबा कितना ? ये आंकड़े हैं सबूत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में चुनावों की घोषणा पहले ही हो चुकी है। हर पार्टी द्वारा अभियान शुरू किया गया है। हालाँकि गुजरात में महिलाएँ महत्वपूर्ण मतदाता हैं और हर राजनीतिक दल यह जानता है। हर राजनीतिक दल को महिलाओं के वोट की आवश्यकता होती है, लेकिन जब चुनावों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की बात आती है, तो पुरुषों की तुलना में उन्हे समानता नहीं मिलती।

**1962 के पहले विधानसभा चुनाव से लेकर 2017 तक महिला प्रतिनिधित्व** दिसंबर के महीने में गुजरात विधानसभा चुनाव संपन्न हो जाएंगे और यह साफ हो जाएगा कि सरकार कौन बनाएगा, लेकिन इस चुनाव में महिलाओं को कितना प्रतिनिधित्व मिलेगा यह एक बड़ा सवाल है। पुराने समय से जब भी विधानसभा चुनाव होते हैं तो एक पार्टी में नाम मात्र की महिला उम्मीदवार ही नजर आती हैं। हर राजनीतिक दल महिला सशक्तिकरण की बात करता है। लेकिन जब चुनावी प्रतिनिधित्व की बात आती है, तो महिलाएं पुरुषों की तुलना में बहुत कम होती हैं। 1962 के पहले विधानसभा चुनाव से लेकर आज 2017 के चुनाव तक के नतीजों से पता चलता है कि महिलाओं को दिया जाने वाला प्रतिनिधित्व कितना कम है।

**1962 से 2017 तक गुजरात विधान सभा में महिला प्रतिनिधित्व** गुजरात की राजनीति में महिलाओं की संख्या पुरुषों से बहुत कम है। 2017 के चुनाव में कुल 127 (6.89त्न) महिला उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। जिनमें से केवल 13 उम्मीदवारों ने चुनाव जीता यानि केवल 10.32 प्रतिशत। 2017 के विधानसभा चुनाव में 7.14त्न महिला सदस्य विधानसभा के लिए चुनी गईं। चुनाव जीतने वाली महिलाओं की सबसे कम संख्या 1975 में 1.65त्न थी और 2007 में सबसे अधिक 6.94त्न थी। 1962 में कुल 65.22त्न महिलाओं ने जीत हासिल की। 23 उम्मीदवारों में से 15 उम्मीदवार चुने गए हैं। और 1995 में सबसे कम जो 2.13त्न है। वर्ष 1962 में कुल 65.22त्न महिलाओं ने जीत हासिल की। 23 में से 15 प्रत्याशी चुने गए हैं। और 1995 में सबसे कम जो 2.13त्न है। वर्ष 1962 में पहली विधानसभा चुनाव के बाद से विधानसभा में सबसे अधिक 9.74त्न महिलाओं का प्रतिनिधित्व किया गया और वर्ष 1995 में सबसे कम 1.1त्न थी।

पहली विधानसभा चुनाव के बाद से सबसे अधिक महिला मतदाताओं की संख्या 2012 में 69.5त्न दर्ज की गई थी। इन महिला विजेताओं में आनंदी बेन पटेल, आचार्य निमाबेन, कोडानानी मायाबेन और मकवाना शांताबेन और चुडासमा चंद्रिकाबेन कानजी हैं।

नरेंद्र मोदी की योजनाओं में महिलाओं को हमेशा विशेष स्थान दिया